वर्ष-22 ■ अंक-44
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00
दिल्ली (राष्ट्रीय संस्करण)
■ सोमवार ■ 31 मार्च 2025
चैत्र शुक्ल पक्ष द्वितीया
विक्रम संवत्-2082
E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

देश की राजधानी से प्रकाशित होकर विभिन्न प्रदेशों में प्रसारित

दैनिक समय जगत

दिल्ली, भोपाल, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

माँ शैलपुत्री

वन्दे वांछित लाभाय चन्द्रार्द्वकृत शेखराम।
वृषारूढ़ा शूलधरां शैलपुत्री यशस्विनीम॥

श्री दुर्गा का प्रथम रूप श्री शैलपुत्री हैं। पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने के कारण ये शैलपुत्री कहलाती हैं। नवरात्र के प्रथम दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है। गिरिराज हिमालय की पुत्री होने के कारण भगवती का प्रथम स्वरूप शैलपुत्री का है, जिनकी आराधना से प्राणी सभी मनोवांछित फल प्राप्त कर लेता है।

माँ ब्रह्मचारिणी

दधना कर पद्माभ्यांक्षमाला कमण्डलम।
देवी प्रसीदमयी ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

श्री दुर्गा का द्वितीय रूप श्री ब्रह्मचारिणी हैं। यहां ब्रह्मचारिणी का तात्पर्य तपश्चारिणी है। इन्होंने भगवान शंकर को पति रूप से प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। अत : ये तपश्चारिणी और ब्रह्मचारिणी के नाम से विख्यात हैं। नवरात्रि के द्वितीय दिन इनकी पूजा औरअर्चना की जाती है। जो दोनो कर-कमलो मे अक्षमाला एवं कमंडल धारण करती है। वे सर्वश्रेष्ठ माँ भगवती ब्रह्मचारिणी मुझसे पर अति प्रसन्न हों। माँ ब्रह्मचारिणी सदैव अपने भक्तो पर कृपादृष्टि रखती है एवं सम्पूर्ण कष्ट दूर करके अभीष्ट कामनाओ की पूर्ति करती है।

देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे हैं हम: मोदी

नागपुर। प्रधानमंत्री मोदी नागपुर के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। मोहन भागवत के साथ मिलकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। वे सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक यहां रहे। उन्होंने संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। बतौर प्रधानमंत्री मोदी की यह संघ मुख्यालय का पहला दौरा था। इससे पहले जुलाई 2013 में वह लोकसभा चुनाव के सिलसिले में हुई बैठक में शामिल होने नागपुर आए थे। प्रधानमंत्री ने संघ के माधव नेत्रालय के एक्सटेंशन बिल्डिंग की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की स्पीच में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा की। उन्होंने संघ की तारीफ करते हुए कहा- राष्ट्रीय चेतना के लिए जो विचार 100 साल पहले संघ के रूप में बोया गया, वो आज महान वट वृक्ष के रूप में दुनिया के सामने हैं। ये आज भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को लागतार ऊर्जावान बना रहा है। स्वयंसेवक के लिए सेवा ही जीवन है। हम देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में नजर डालें तो इसमें कई आक्रमण हुए। इतने आक्रमणों के बावजूद भी भारत की चेतना कभी समाप्त नहीं हुई, उसकी लौ जलती रही। कठिन से कठिन दौर में भी इस चेतना को जाग्रत रखने के लिए नए सामाजिक आंदोलन होते रहे। भक्ति आंदोलन इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मध्यकाल के उस कठिन कालखंड में हमारे संतों ने भक्ति के विचारों से राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा दी। गुरु नानक देव, कबीरदास, तुलसीदास, सूरदास, संत तुकाराम, संत रामदेव, संत ज्ञानेश्वर जैसे महान संतों ने अपने मौलिक विचारों से समाज में प्राण फूंके। उन्होंने भेदभाव के बंधनों को तोड़कर समाज को एकता के सूत्र में बांधा। स्वामी विवेकानंद से लेकर डॉक्टर साहब तक, किसी ने भी राष्ट्रीय चेतना को बुझने नहीं दिया। राष्ट्रीय चेतना के जिस विचार का बीज 100 वर्ष पहले बोया गया था, वह आज एक महान वटवृक्ष के रूप में खड़ा है। सिद्धांत और आदर्श इस वटवृक्ष को ऊंचाई देते हैं, जबकि लाखों-करोड़ों स्वयंसेवक इसकी टहनियों के रूप में कार्य कर रहे हैं। संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। मोदी ने कहा कि हमारा शरीर परोपकार और सेवा के लिए ही है। जब सेवा संस्कार बन जाती है, तो साधना बन जाती है। यही साधना हर स्वयंसेवक की प्राणवायु होती है। यह सेवा संस्कार, यह साधना, यह प्राणवायु, पीढ़ी दर पीढ़ी हर स्वयंसेवक को तप और तपस्या के लिए प्रेरित करती है। उसे न थकने देती है और न ही रुकने देती है। मोदी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी पूंजी हमारा युवा है। देश का युवा आत्मविश्वास से भरा हुआ है। उसकी रिस्क-टेकिंग कैपेसिटी पहले से कई गुना बढ़ चुकी है। वह इनोवेशन कर रहा है, स्टार्टअप की दुनिया में परचम लहरा रहा है। अपनी विरासत और संस्कृति पर गर्व करते हुए आगे बढ़ रहा है। महाकुंभ में हमने देखा कि लाखों-करोड़ों की संख्या में युवा पीढ़ी पहुंची और सनातन परंपरा से जुड़कर गौरव से भर उठी। भारत का युवा आज देश की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए काम कर रहा है। यही युवा 2047 के विकसित भारत की ध्वजा थामे हुए हैं। मुझे भरोसा है कि संगठन, समर्पण और सेवा की त्रिवेणी विकसित भारत की यात्रा को ऊर्जा और दिशा देती रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी स्पीच में कहा कि %वसुधैव कुटुंबकम% का मंत्र आज विश्व के कोने-कोने में गूंज रहा है। जब कोविड जैसी महामारी आती है, तो भारत विश्व को परिवार मानकर वैक्सीन उपलब्ध कराता है। दुनिया में कहीं भी प्राकृतिक आपदा हो, भारत सेवा के लिए तत्पर रहता है। म्यांमार में भूकंप आया तो भारत ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत तुरंत मदद के लिए पहुंच गया। नेपाल में भूकंप हो, मालदीव में जल संकट हो, भारत ने सहायता देने में क्षणभर की भी देर नहीं की। युद्ध के हालात में भी भारत दूसरे देशों के नागरिकों को सुरक्षित निकालकर लाता है। भारत अब ग्लोबल साउथ की आवाज भी बन रहा है। विश्व में बंधुत्व और सेवा की यह भावना हमारे संस्कारों का ही विस्तार है।

प्रधानमंत्री ने हेडगेवार को दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश के सभी नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना हमारी प्राथमिकता है। गरीब से गरीब व्यक्ति को भी बेहतरीन इलाज मिले, कोई भी देशवासी जीवन जीने की गरिमा से वंचित न रहे। जो बुजुर्ग अपना पूरा जीवन देश के लिए समर्पित कर चुके हैं, उन्हें इलाज की चिंता न सताए, ऐसी परिस्थितियों में उन्हें न जीना पड़े।

नव संवत्सर के आरंभ पर प्रदेशवासियों को दी मंगलकामनाएं

मुख्यमंत्री ने विक्रम संवत् 2082 के आरंभ पर सूर्य को अर्घ्य देकर किया पूजन-अर्चन

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को उज्जैन में प्रातः भारतीय नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, विक्रम नव संवत्सर 2082 के आरंभ के अवसर पर उदीयमान सूर्य देव को अर्ध्य दिया और हिंदू नव वर्ष पर विक्रम ध्वज, गुड़ी का दत्त अखाड़ा घाट पर पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों और देशवासियों को भारतीय नववर्ष की मंगलकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति के अंतर्गत पर्व और त्योहारों का निर्धारण मंगल तिथियां के आधार पर होता है। खगोलीय गतिविधियों की दृष्टि से गुड़ी पड़वा अर्थात प्रतिपदा, वर्ष की पहली मंगल तिथि है। इस मंगल तिथि का अभिवादन कहीं चेटीचंड, कहीं वर्ष प्रतिपदा और कहीं गुड़ी पड़वा सहित अन्य अनेक नाम से किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया की यह प्राचीन सनातन संस्कृति की अनुपम परंपरा है। इसी तिथि पर चंहुओर खुशियों, समृद्धि और हर्षोल्लास का वातावरण होता है। गुड़ी पड़वा पर घर-घर स्थापित होने वाला कलश हमारी पवित्र आत्मा को अभिव्यक्त करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समृद्धि और विकास का नव संवत्सर सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और आनंद का भाव लाए, ईश्वर से यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूजन-अर्चन उपरांत माँ क्षिप्रा की गोद में नौका विहार कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसके बाद देव दर्शन कर साधु-संतों और श्रद्धालुओं से मुलाकात की। उन्होंने दत्त अखाड़ा के पीठाधीश्वर संत श्री सुंदरपुरी महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त कर सत्संग किया। दत्त अखाड़ा के पीठाधीश श्री संत श्री सुंदरपुरी महाराज ने मुख्यमंत्री का शॉल पहनाकर स्वागत कर आशीर्वाद दिया। संत श्री ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से कहा कि यह हिंदू नव वर्ष ही वास्तव मे प्रकृति का नव वर्ष है, जिसमें प्रकृति नव शृंगार करती है। पेड़ पौधों मे नवीन पत्ते आते है, प्रकृति में उत्साह और नव संचार का प्रवाह होता है। उज्जैन की इस प्राचीन, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक धरोहर को संभालने और संवारने के प्रयासों की संतश्री सुंदर पूरी महाराज ने प्रशंसा कर आशीर्वाद दिया। इस पावन अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, जिला भाजपा अधक्ष्य श्री संजय अग्रवाल, साधु संत, जन प्रतिनिधि और हिंदू संस्कृति के ध्वज वाहक महिला, पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े स्थानों को तीर्थस्थल के रूप में किया जा रहा है विकसित: डॉ. यादव

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को उज्जैन के टावर चौक पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेशवासियों एवं विशेष रूप से सिंधी समाज के सभी भाई और बहनों को चेटी चंड महापर्व की मंगलकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चेटी चंड सिंधी समुदाय का एक प्रमुख त्योहार है, जिसे भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। वे जल देवता के रूप में पूजे जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चेटी चंड का यह पावन पर्व भगवान झूलेलाल की कृपा से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लेकर आए। उज्जैन नगरी भगवान श्रीमहाकाल और श्रीकृष्ण की नगरी है, यह कला की नगरी, उत्कर्ष की नगरी है, आध्यात्म का केंद्र है, सम्राट विक्रमादित्य की नगरी में विक्रमोत्सव के अवसर पर सभी को चेटी चंड पर्व और चैत्र प्रतिपदा की मंगलकामनाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अवसर हमें प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता के मूल्य सिखाता है। भगवान झूलेलाल का आशीर्वाद देश-प्रदेश पर बना रहे और हमारा प्रदेश विकास, भाईचारे और खुशहाली की नई ऊँचाइयों को छुए।

म्यांमार में लाखों लोगों ने सड़कों पर गुजारी रात

नेपीडो। म्यांमार में आए भूकंप ने जमकर तबाही मचाई है। सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और हजारों मकान चकनाचूर हो गए। कहीं फिर से भूकंप न आ जाए इसको लेकर लोगों के मन डर है। दहशत में जी रहे लाखों लोगों ने सड़कों पर रात गुजारी।म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद जन-जीवन अस्तव्यस्त हो गया है। म्यांमार पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता का सामना कर रहा था। वहीं भूकंप आने के बाद राहत और बचाव का काम भी ठीक से नहीं हो पा रहा है। इन्फ्रास्ट्रक्चर और सड़कों को हुए नुकसान की वजह से राहत सामग्री का पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। वहीं भूकंप के झटकों (आफ्टरशॉक) के डर से हजारों लोग अपने घरों को छोड़कर सड़कों पर ही सोए। यूएन ऑफिस फॉर कोऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमनिटेरियन अफेयर्स के मुताबिक घरों को हुए नुकसान और भूकंप के झटकों के डर से बहुत लोगों की हिम्मत घर के अंदर जाने की भी नहीं हुई। ऐसे में उन्होंने घर के बाहर ही रात काटी। कई सड़कों और पुलों को भी नुकसान हुआ है जिसकी वजह से आना-जाना मुश्किल हो रहा है। घायल लोगों तक दवाइयां पहुंचाना भी मुश्किल हो गया है। हाइवे पर दरारें पड़ने की वजह से बसों को भी रोक दिया गया है।

भारत ने भी 15 टन राहत सामग्री पहुंचाई म्यांमार पहुंचाई है और आपातकालीन मिशन 'ऑपरेशन ब्रह्मा'के तहत बचाव दलों के साथ हवाई और समुद्री मार्ग से और आपूर्ति भेजी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने म्यांमा के सैन्य जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की और कहा कि भारत उनके देश में आए भीषण भूकंप से मची तबाही से निपटने के प्रयासों में उनके साथ एकजुटता से खड़ा है। भारत ने म्यांमा के लिए अपने बचाव अभियान को ऑपरेशन ब्रह्मा नाम दिया है।

स्पाइसजेट विमान की हुई आपात लैंडिंग

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई एयरपोर्ट पर रविवार सुबह हड़कंप मच गया जबकि स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी9046 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जयपुर से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद पायलट को विमान में तकनीकी खराबी का एहसास हुआ, जिसके बाद पायलट ने विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई। सुबह 5:46 बजे विमान सुरक्षित रूप से रनवे-25 पर उतरा। शुरुआती जांच में पता चला कि प्लेन के पहिए नंबर 2 में खराबी थी। तमिलनाडु के चेन्नई एयरपोर्ट पर रविवार सुबह स्पाइसजेट विमान की आपात लैंडिंग के लिए चेन्नई हवाई अड्डे पर पूर्ण आपातकाल घोषित किया गया। इससे एयरपोर्ट में अफरातफरी मच गई। जानकारी अनुसार, स्पाइसजेट विमान एसजी-9046 ने राजस्थान के जयपुर हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। इसके कुछ देर बाद ही पायलट को विमान में तकनीकी गड़बड़ी होने का एहसास हुआ, जिसके बाद इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लिया गया। पिछले कुछ दिनों में विमानों में तकनीकी खराबी और आपात लैंडिंग के केस बढ़ गए हैं। हाल ही में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विमान की भी आगरा एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। लखनऊ के लिए टेकऑफ के बाद विमान के ब्रेकिंग सिस्टम में खराबी आने के कारण यह कदम उठाया गया था। वहीं दूसरी तरफ अनेक बार बम की धमकियों के चलते अनेक यात्री विमानों की आपात लैंडिंग कराई जा चुकी है। इसके अलावा, कुछ दिन पहले ही सऊदी अरब के दम्माम से हैदराबाद आ रही एक फ्लाइट में एक यात्री ने लैंडिंग के दौरान इमरजेंसी डोर खोलने की कोशिश की थी, जिसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया।

ओडिशा के कटक में कामाख्या एक्सप्रेस हुई डिरेल

भुवनेश्वर। ओडिशा के कटक में रविवार को बेंगलुरु-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12551) डिरेल हो गई। इस दौरान 11 एसी कोच पटरी से उतर गए। हादसा सुबह करीब 11.54 बजे नेरगुंडी स्टेशन के पास हुआ। ईस्ट कोस्ट रेलवे के पीआरओ अशोक मिश्रा ने हादसे के बारे में विसतार से जानकारी दी है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत और 8 के घायल होने की खबर है। घटना स्थल पर मेडिकल और इमरजेंसी टीम भेजी गई है। इसके अलावा एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन को भी भेजा गया है। वरिष्ठ अधिकारी भी जल्दी मौके पर पहुंचने वाले हैं। जांच के बाद ट्रेन के डिरेल होने की वजह सामने आएगी। मिश्रा ने बताया कि अभी हमारी प्राथमिकता उन ट्रेनों का रूट बदलना है, जो एक्सीडेंट की वजह से ट्रैक पर खड़ी हैं।

3 राज्यों में हीटवेव, 2 में बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने रविवार को ओडिशा, पश्चिम बंगाल, और गुजरात में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। वहीं, उत्तर भारत में तेज हवाओं के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजस्थान में उत्तरी हवा चलने से सुबह-शाम गुलाबी ठंड का एहसास हो रहा है। कुछ शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। मध्यप्रदेश में भी मौसम बदलेगा। अप्रैल के पहले सप्ताह में ओले, बारिश और आंधी का अलर्ट है। इधर, छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में तापमान 40.2 डिग्री पहुंच गया। हालांकि प्रदेश में 1 अप्रैल से हल्की बारिश का अनुमान है। आज आज दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान समेत उत्तर-पश्चिम राज्यों में 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

योजना | ब्रिटिश कंपनी के पास है स्वामित्व

अंग्रेजों के जमाने की शकुंतला रेलवे का अधिग्रहण करेगा केंद्र

नई दिल्ली। देश में अंग्रेजों के जमाने के रेल नेटवर्क की आखिरी निशानी इतिहास बनाने जा रही है। भारतीय रेल ब्रिटिश कंपनी क्लिक-निक्सन के बनाए शकुंतला रेलवे का अधिग्रहण करने जा रही है। यह खंड अभी सेंट्रल प्रोविंसेस रेलवे कंपनी (सीपीआरसी) के स्वामित्व में है। महाराष्ट्र में यवतमाल से अचलपुर के बीच 1916 में बना ट्रैक 188 किमी लंबा है। तब इस रूट पर कॉटन बेल्ट के लिए मालगाड़ियां और पैसेंजर ट्रेन चलती थीं। इन्हीं में एक शकुंतला एक्सप्रेस भी थी। इसलिए इसे शकुंतला रेलवे कहा जाने लगा। 1952 में रेलवे का राष्ट्रीयकरण हुआ, लेकिन यह ट्रैक अलग रह गया। साल 2016 में इस नैरोगेज ट्रैक का अधिग्रहण कर 15,000 करोड़ रुपए से इसे ब्रॉडगेज में बदलने की योजना बनाई गई। इसलिए जुलाई 2017 में यवतमाल-मुर्तिजापुर और अप्रैल 2019 में मुर्तिजापुर-अचलपुर खंड पर सेवा रद्द कर दी। तबसे यह ट्रैक बंद है। अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसे ब्रॉडगेज में बदला जाएगा।

देश के आजाद होने के बाद भी इस ट्रैक का स्वामित्व ब्रिटेन की प्राइवेट कंपनी के ही पास है। वहीं कंपनी इस ट्रैक को संचालित करती है। 1947 में जब देश आजाद हुआ तो भारतीय रेलवे ने इस कंपनी के साथ एक समझौता किया, जिसके अंतर्गत हर साल आज भी भारतीय रेलवे की ओर से कंपनी को रॉयल्टी दी जाती है। दिलचस्प यह है कि शकुंतला रेल नेटवर्क के उपयोग के एवज में सीपीआरसी को सालाना 2-3 करोड़ रु. रॉयल्टी दी जा रही है। अधिग्रहण से पहले सीपीआरसी 12-16 करोड़ रॉयल्टी की दावेदारी कर रहा है, पर रेलवे ट्रैक मेंटेनेंस आदि मद में इसे एडजस्ट कर सकता है। वित्त वर्ष 2025-26 में अधिग्रहण हो जाएगा।

स्कूल खेल महाकुंभ का हुआ समापन, मेडल पाकर खिले चेहरे

जिला पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार गौतम ने खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

समय जगत, झांसी बरुआसागर । फिजिकल एजुकेशन सोशल वेलफेयर फाउंडेशन सम्बन्धता उत्तर प्रदेश ओलम्पिक एसोसिएशन के तत्वाधान में स्कूल खेल महाकुम्भ का आयोजन कंपनी बाग बरुआसागर झांसी में किया गया जिसका समापन एवं पुरस्कार वितरण आज देर तक किया गया,समापन के मुख्यातिथि पवन कुमार गौतम कार्यक्रम की अध्यक्षता हैप्पी चावला एवम कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि खेल विशेषज्ञ ब्रजेन्द्र यादव अमर सिंह कुशवाहा बालमुकुंद कुशवाहा फुटेरा प्रधान मीनू रहे मुख्यातिथि के अपने उद्बोधन में कहा कि फिजिकल एजुकेशन सोशल वेलफेयर फाउंडेशन प्रधानमंत्री के सपने खेलो इंडिया फिट इंडिया के सपने को साकार करने में ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओ को आगे लाने कार्य जमीनी स्तर से के रहा है क्षेत्र की उभरती प्रतिभाओ को मंच दे रहा निर्माणधीन स्टेडियम को जल्द चालू कराने हेतु जिलाधिकारी से वार्ता करेंगे एवम जल्द स्टेडियम को पुनः चालू

करवाएंगे ग्रामीण स्तर पर स्कूल खेल महाकुम्भ जैसी प्रतियोगिता अवश्य ही युवा खिलाड़ियो को प्रेरित करेगी वही फाउंडेशन चेयरमैन एवम कार्यक्रम को अध्यक्षता कर रहे हैप्पी चावल ने जिला पंचायत अध्यक्ष से निवेदन किया कि खेल मैदान में खिलाड़ियो के ठहरने हेतु एक हॉल का निर्माण करवाने की बात कही वही आज समापन में टीम गेम में बालक वर्ग सीनियर खो खो में पंडित राम सहाय शर्मा इंटर कालेज ने संस्कृति संस्कार पब्लिक स्कूल को 6 अंको से हराया वही खो खो सीनियर बालिका वर्ग में पंडित पंडित राम सहाय शर्मा इंटर कॉलेज ने 18 अंको से विजयी रही, खो खो जूनियर बालक वर्ग में पंडित आर डी त्रिपाठी ने संस्कृति संस्कार को फाइनल मैच में 13-12 अंको के रोमांच मैच में एक अंक से जीत दर्ज की एवम विजेता बना, खो खो जूनियर बालिका वर्ग में पंडित जी पी नायक पब्लिक स्कूल ने पायोनियर कान्वेंट पब्लिक स्कूल को 8 अंको से हराया एवं विजेता बना रस्साकस्सी सीनियर वर्ग बालक में 2-1अंको से पायोनियर विजेता एवम ए पी पब्लिक स्कूल उपविजेता बना वही बालक वर्ग कबड्डी सीनियर में संस्कृति संस्कार पब्लिक स्कूल विजेता बना एवम पंडित राम सहाय शर्मा इंटर कॉलेज उपविजेता बना कबड्डी जूनियर बालक वर्ग में पंडित आर डी त्रिपाठी 16 अंको से विजेता एवम संस्कृति संस्कार उपविजेता बना। वही एथलेटिक्स में प्रत्येक विद्यालय का शानदार प्रदर्शन रहा खासकर छोटे बच्चों की लेमन रेस,सेक रेस आकर्षण का का केंद्र रही अतिथियो द्वारा सभी विजेता उपविजेता खिलाड़ियो को ट्रॉफी मैडल देकर पुरस्कृत किया गया, इस मौके सभी स्कूल प्रधानाचार्य डॉ जितेंद्र सिद्धार्थ अमरदीप कुशवाहा ठाकुरदास धरेंद्र,सिंकू परिहार,अविनाश, जयदेवी श्वेता राय अनुराग सिंह चंदेल अभय सिंह सैंगर आशिफखान वीरेंद्र सिंह अभिषेक कुशवाहा चंचल विश्वकर्मा सुमित मोनू सागर देवेन्द्र कुशवाहा आयत वर्षा पंकज अचला दीक्षा आकाश देवेन्द्र राजपूत सुमित अनुज आदि लोग उपस्थित रहे ।

काव्य संग्रह विमोचन एवं सेवानिवृत्त समारोह आज

गुरसरांय। पूर्व प्रधानाचार्य नारायणदास बरसैया द्वारा रचित काव्य संग्रह मैं तुम्हारा गीत हूं, तुम गुनगुनाओ का विमोचन एवं वरिष्ठ अध्यापक जयप्रकाश बरसैया का सेवा निवृत्त समारोह सोमबार 31 मार्च को सायं गुरुदेव वाटिका में होगा,जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

उक्त जानकारी प्रधानाचार्या श्रीमती मंजू लता स्वर्णकार ने दी।

निधन पर जताया शोक

गुरसरांय। नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता हरिहरनाथ विदुआ की धर्मपत्नी एवं डॉ राघवेंद्र विदुआ की माताजी के निधन पर एक शोक सभा खेर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य धनप्रकाश तिवारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई,जिसमे गहरा शोक व्यक्त किया गया।शोक सभा मे के के तिवारी,मेजर अखिलेश पिपरैया, ओ पी शर्मा,हैप्पी सिंह,जगमोहन समेले, धन्यकुमार जैन,अजय यादव,अभय त्रिपाठी, बद्री त्रिपाठी, सुरेश खरे,दिनेश द्विवेदी, शिवकुमार तिवारी,ठाकुरदास तिवारी,गोविंद सिंह सेंगर,जितेंद्र पटेल पिपरा आदि उपस्थित रहे।

समाज से साहित्य निकलता है : रवीन्द्र शुक्ला

समय जगत, झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी एवं हिंदुस्तानी भाषा एकेडमी, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक मेला, अखिल भारतीय लेखक शिविर, सृजनात्मक लेखन कार्यशाला एवं संगोष्ठी का आज भव्य समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री रवींद्र शुक्ल ने कहा कि कोई कवि बनता नहीं है, कवि अवतरित होते हैं। कविता लिखी नहीं जाती, कविता कही जाती है। युवाओं को लेखन से पहले अध्ययन करना चाहिए। स्वाध्याय बेहद जरुरी है। उन्होंने कहा कि समाज से साहित्य निकलता है। साहित्य को लिखते समय लोक कल्याण और राष्ट्रवाद को ध्यान में रखिए। मशहूर साहित्यकार गोविंद मिश्रा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि लेखन एक साधना के समान है। आपको ढेर सारी किताबें अवश्य पढ़नी चाहिए। समाज से प्रेरणा लीजिए। समाज में जो भी घटित हो रहा है उसे अपने शब्द दीजिए। ढेर सारी किताबें पढ़ते रहिए। उन्होंने अपनी मां का उदाहरण देकर महिला सशक्तिकरण के बारे में समझाया। इसके साथ ही विभिन्न कहानियों की लेखन प्रक्रिया के बारे में भी समझाया। समापन कार्यक्रम में पूर्व आईएएस प्रमोद कुमार अग्रवाल द्वारा संपादित बुंदेलखंड के कवि किताब का विमोचन भी किया गया। इस पुस्तक में 75 से अधिक कवियों ने अपनी कृतियां दी हैं। इनमें बुंदेलखंड से लेकर श्रृंगार, ओज, परंपरा, संस्कृति, दर्शन पर कविताएं लिखी हैं। समापन के अवसर पर अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मुन्ना तिवारी ने कहा कि पिछले 7 दिनों में 50 से अधिक साहित्यकार इस पुस्तक मेला का हिस्सा बनने पहुंचे। यहां मशहूर गीतकार समीर अंजान युवाओं से मुखातिब हुए। इलाहाबाद से आए कई विनम्र सेन सिंह की रचनाओं ने श्रोताओं का दिल जीत लिया। शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने लेखन प्रक्रिया और रचनात्मकता के बारे में बहुत कुछ सीखा। यह मेला सार्थक रहा।

भारतीय नव वर्ष की दी शुभकामनायें

झांसी। विवेक निरंजन मेमोरियल फाउंडेशन के तत्वावधान में भारतीय नव वर्ष, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, विक्रम संवत 2082 के अवसर पर गणेश चौराहे की सब्जी मंडी में भ्रमण कर सभी को चंदन तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर सभी को भारतीय नव वर्ष की शुभकामनाएं दी।और उनको जानकारी दी कि अपना भारतीय नववर्ष, चौत्र शुक्ल प्रतिपदा नवरात्रि के प्रथम दिवस से शुरू होता है आम जनमानस में ऐसी मान्यता है कि 1 जनवरी को नववर्ष शुरू होता है जबकि वह अंग्रेजी नव वर्ष होता है। इस अवसर पर श्रीमती मनीषा नरवरिया, जितेंद्र नरवरिया, विवेक अकादमी के अध्यक्ष अवधेश निरंजन, आशुतोष मिश्रा एड.विवेक अकादमी के सचिव राजेश पटेल, सुरेश कुमार रायकवार,बृजेश कुमार खरे, विवेक निरंजन खेल अकादमी की जूनियर टीम के माही,कुमकुम, भावना,यश,मधुर,सीमा,साहिल आदि लोग उपस्थित रहे। रामकिशन निरंजन ने आभार व्यक्त किया ।

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास पासवान की जिलाध्यक्ष बनीं ममता गोस्वामी

समय जगत,झांसी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास पासवान) के प्रदेश महासचिव तथा झांसी मंडल के प्रभारी गणेश दत्त गिरी ने दावा किया की झांसी में नए जिला अध्यक्ष बनने के बाद 10 दिन के अंदर कार्यकारिणी का गठन हो जाएगा और उसके साथ ही संगठन तेजी के साथ काम करना शुरू कर देगा आम जनता को संगठन से जोड़ने के लिए प्रयासों में कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी इससे पूर्व प्रदेश महासचिव तथा झांसी जिलाध्यक्ष बनी ममता गोस्वामी का जगह जगह उनके समर्थकों ने फूल माला पहना कर स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश महासचिव ने कहा कि वह एनडीए के गठबंधन में शामिल है, लेकिन उनकी और भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा अलग-अलग है। वह समाजवादी लोहिया जी की विचारधारा से जुड़े है। 2027 में वह पूरे दमखम से उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाएंगे। रविवार को

स्थानीय होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान राम विलास पासवान की लोक जन शक्ति पार्टी के प्रदेश महासचिव एवं झांसी मंडल प्रभारी गणेश दत्त गिरी ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की संस्तुति पर श्रीमती ममता गोस्वामी को झांसी जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने कहा कि ममता गोस्वामी ओर पार्टी के सभी पदाधिकारी एक एक कार्यकर्ता पार्टी का जनाधार बढ़ाएंगे, कार्यकर्ताओं को जोड़ेंगे। दस दिन में पार्टी का विस्तार होगा। वही उन्होंने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वह भाजपा की विचार धारा से अलग है। वह राम मनोहर लोहिया जी की विचार धारा पर कार्य करने वाले है, लेकिन भाजपा के साथ उनकी पार्टी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में भारतीय जनता पार्टी को लोक जन शक्ति पार्टी पूरी दम खम से जीता कर भाजपा की सरकार बनाएगी। उन्होंने लोहिया जी की विचार धारा के सवाल पर कहा कि वह लोहिया जी की विचार धारा को मानते है न कि समाजवादी पार्टी की विचार धारा को मानते है। वही नई जिलाध्यक्ष ममता गोस्वामी ने कहा कि उन्हें पार्टी ने जिलाध्यक्ष पद का दायित्व दिया है। इसे वह अच्छी तरह से निर्वहन करते हुए पार्टी को झांसी महानगर ओर जिले में मजबूत करेंगी।

नव संवतसर के शुभागमन पर बुन्देली नृत्य एवं भजन संध्या ने मोहा मन

समय जगत,झाँसी। बुन्देलखण्ड साहित्य संगीत कला संस्थान एवं युवा ब्राम्हण महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में ग्वालियर रोड स्थित श्री सिद्धेश्वर मंदिर समाभागार में नवसम्वतसर के शुभागमन पर मुख्य संयोजक रवीश त्रिपाठी के संयोजन में आज बुन्देली नृत्य एवं भजन संध्या एवं नृत्य का कार्यक्रम एवं नवसंवतसर मिलन समारोह सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि महापौर बिहारी लाल आर्य, शिक्षक विधायक डॉ0 बाबूलाल तिवारी, एमएलसी श्रीमती रमा निरंजन, भाजपा नेता रामनरेश तिवारी ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया। अध्यक्षता महानगर धर्माचार्य पं0 हरिओम पाठक ने की। अतिथियों का स्वागत अखिलेश पाण्डेय, संजीव त्रिपाठी, बन्टी दुबे, अमित रावत, महेश

उपाध्याय आदि ने माल्यार्पण कर किया।प्रारम्भ में भजन संध्या का शुभारम्भ मुन्ना मासूम ने गणेश वंदना कर किया तत्पश्चात् अमित कुमार ने - सबसे सुन्दर है बरसानों बृज में राधा रानी कौ एवं जय माता की बोल पता नहीं क्या दे दे, संजीव कुमार ने - जो जैसा करे वो फल वैसा पाये, एवं नमः शिवाय नमः शिवाय, मधु अग्रवाल ने - कभी राम बनके, कभी श्याम बनके चले आना प्रभु जी तुम चले आना, संजना सिंह ने - माँ सुनले पुकार मैं आयी तेरे द्वार आदि भजनों को श्रोताओं ने खूब सराहा।संध्या में सुरेन्द्र कुशवाहा, मदन कुमार, रीता पश्तोर आदि कलाकारों ने भी भजन प्रस्तुत किये। अलीशीबा, आयलीना, परवीन खान(ग्वालियर) ने बुन्देली नृत्य- औ मैया तैने क्या ठानी, मन में राम सिया भेज दये रे वन में, झूम झूम तन-न-न बाजे पाय पैजनिया, जोगन नाच रही तोरे आंगन बाजे घुंघुरू छना नाना नन एवं ओम नमः शिवाय आदि भजनों पर नृत्य किया। सभी कलाकारों का सम्मान मुख्य संयोजक रवीश त्रिपाठी एवं इंजी0 मयंक श्रीवास्तव पार्षद ने सम्मान पत्र एवं श्रीफल भेंट किया।इस अवसर पर तहसील बार संघ के अध्यक्ष पंकज पाराशर एड0, रजत त्रिपाठी, संजीव शर्मा, अरूण द्विवेदी, सुरेश कुशवाहा, महेश पाण्डे, राधे राय, सुरेन्द्र तिवारी, सुभाष चौरसिया, बन्टी दुबे, विनोद समाधिया, अमित रावत, मनोज पाठक,मुकेश सिंगल, राम प्रकाश गुप्ता, अंकुर अग्रवाल सहित श्रीमती ममता लश्करी, उमा यादव, डॉ0 निर्मल शर्मा, श्रीमती सुशीला दुबे पार्षद, श्रीमती संध्या त्रिपाठी आदि उपस्थित रहीं। संचालन इंजी0 मयंक श्रीवास्तव पार्षद एवं आभार मुख्य संयोजक रवीश त्रिपाठी ने व्यक्त किया।

झांसी रेलवे स्टेशन पर पूर्व मुख्यमंत्री का कांग्रेस जनों ने किया भव्य स्वागत

समय जगत, झांसी। जिला कांग्रेस कमेटी झांसी के पूर्व अध्यक्ष योगेंद्र सिंह पारीछा के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह जी का आज झांसी रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से उन्हें लाद दिया।इस अवसर पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह जी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है इसी परिपेक्ष में आगामी 4 अप्रैल को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी एवं हमारे नेता राहुल गांधी जी उत्तर प्रदेश के जिला अध्यक्षों से दिल्ली ऑफिस में एक बैठक करेंगे और उनसे संगठन को मजबूत करने के लिए सुझाव प्राप्त करेंगे। मध्य प्रदेश दौरे पर जा रहे पूर्व मुख्यमंत्री का झांसी स्टेशन पर स्वागत करने वालों में पूर्व जिला अध्यक्ष योगेंद्र सिंह पारीछा, भानु सहाय, रघुराज शर्मा, राजेंद्र शर्मा एडवोकेट, गौरव जैन राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट, अशोक सक्सेना एडवोकेट, शैलेंद्र वर्मा, अमीरचंद आर्य, जुगल किशोर वर्मा, प्रशांत वर्मा, आसिफ खान, विशाल वर्मा, धर्मेंद्र यादव, पवन वर्मा सहित सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस से अनुपस्थित थे।

सक्रिय राजनीति की पाठशाला थे सुजान सिंह बुन्देला : प्रदीप जैन

समय जगत,झांसी । आज कुंज वाटिका विवाह घर में कांग्रेस अनु. जाति विभाग के जिलाध्यक्ष शैलेंद्र वर्मा शीलू के संयोजन में पूर्व सांसद सुजान सिंह बुंदेला की द्वितीय पुण्यतिथि पर पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य के मुख्य आतिथ्य एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हबीबुर्रहमान चंदा भाई की अध्यक्षता में श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस मौके पर सर्वप्रथम बुंदेला जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रृद्धांजलि अर्पित की गई। तदोपरांत सभा को सम्बोधित करते हुये प्रदीप जैन आदित्य ने कहाकि उन्होनें पंचायत से देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद तक पहुंचने वाले बड़े दाऊ ने कई दशकों तक बुंदेलखण्ड की राजनीति में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। वे सक्रिय राजनीति की पाठशाला थे।उन्होनें कहाकि अगले वर्ष तक ललितपुर में उनकी प्रतिमा स्थापित कराई जायेगी।

नि. प्रदेश सचिव मनीराम कुशवाहा ने कहाकि एक कुशल संगठनकर्ता के रुप में बुन्देला जी ने राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग ही जगह बनाई थी। उन्होनें ललितपुर को एक नई पहचान दी।

पूर्व जिलाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह पारीछा ने कहाकि बुन्देला जी राजनीति में हमेशा कार्यकर्ताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण मानते थे।उनका विराट व्यक्तित्व हम सबके लिये अनुकरणीय है।

इस मौके पर अमीर चंद आर्य, अनिल रिछारिया, उमा चरण वर्मा,पवन राज, वसीम उद्दीन,प्रशांत वर्मा, मानवेंद्र सिंह , पुष्पेद्र सिंह, गौरव त्रिपाठी, अनंत सिंघल,सुरेश झां , विजय यादव आदि ने विचार व्यक्त किये। अंत में पप्पू राजा ने सभी का आभार जताया।

प्रो. जे. के. शर्मा बने बी आई ई टी के निदेशक

समय जगत, झांसी। प्रोफ़ेसर जे के शर्मा ने बुंदेलखंड इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी झांसी के निदेशक का कार्य भार आज संभाला। प्रोफ़ेसर शर्मा बीआईईटी को डीम्ड यूनिवर्सिटी के रूप में विकसित करने तथा एनआईआरएफ रैंकिंग में लाने के लिए संकाय सदस्य को प्रेरित किया। प्रोफ़ेसर शर्मा ने रिसर्च तथा अकादमिक एक्टिविटीज को बढ़ाने के लिए जोर दिया।

प्रोफ़ेसर शर्मा इससे पहले विभाग।ध्यक्ष सिविल पेट्रोलियम पेट्रो केमिकल और केमिकल इंजीनियरिंग के रूप में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय में कार्यरत थे। इनकी निर्देशन में आठ छात्रों को पीएचडी डिग्री अवार्ड हो चुकी है तथा चार छात्र अभी कार्यरत है। प्रोफ़ेसर शर्माने एचबीटीआई कानपुर, आरईसी कुरुक्षेत्र और आईआईटी कानपुर से उत्कृष्ट रैंकिंग के साथ के साथ शिक्षा प्राप्त की है। उनके पास लगभग 35 वर्षो का इंजीनियरिंग कॉलेज कोटा और राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय में शिक्षण और शोध कार्यो का अनुभव है। प्रोफ़ेसर शर्मा ने लगभग 100 शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जनरल और कॉन्फ्रेंस इसमें प्रकाशित किए हैं उनके नाम कई पेटेंट भी है। पूर्व में प्रोफ़ेसर शर्मा राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज मैनपुरी में निदेशक के रूप में कार्यरत रह चुके हैं।

बामौर ब्लॉक की ग्राम पंचायत ककरवई के ग्राम प्रधान राजू तिवारी सम्मानित

समय जगत,झांसी। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद झांसी में टीबी मुक्त घोषित की गई पंचायतों का सम्मान समारोह जुनैद अहमद आई ए एस मुख्य विकास अधिकारी के मुख्य आतिथ्य तथा डॉक्टर सुधाकर पांडेय मुख्य चिकित्साधिकारी के विशिष्ट आतिथ्य सभागार राजकीय संग्रहालय झांसी में आयोजित किया गया।जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर यू एन सिंह ने अवगत कराया की जनपद झांसी की 103 पंचायतों को वर्ष 2024 आवश्यक शर्तो को पूरा किए जाने के उपरांत टीवी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया गया जिसमें मऊरानीपुर की 18 बबीना 19 गुरसराय से 21 बड़ागांव से 4 बमौर से 22 चिरगांव से 13 बंगरा से 4 मोठ से 1 पंचायत चयनित की गई।ग्राम प्रधानों को सम्मानित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद आई ए एस ने अपील की सभी प्रधान अपने क्षेत्र में टीबी के लक्षण की निगरानी करते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मिलकर आवश्यक कदम उठाए तथा वर्ष 2025 तक प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत के सपने को साकार करने में सहयोग प्रदान करे।कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पांयत राज अधिकारी डॉक्टर बाल गोविंद श्रीवास्तव डॉक्टर एन के जैन अपर मुख्य चिकित्साधिकारी आदि उपस्थित रहे।बामौर ब्लॉक की ग्राम पंचायत ककरवई को टीवी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित होने पर ग्राम प्रधान राजू तिवारी को सम्मानित किया गया ।

संस्कार भारती परिवार ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर हिन्दू नववर्ष का किया स्वागत

समय जगत, झाँसी । हिन्दू नववर्ष चौत्र शुक्ल प्रतिपदा नवसंवत्सर 2082 पर संस्कार भारती परिवार द्वारा प्रातः बेला में आंतिया तालाब गायत्री मन्दिर परिसर में भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर, विश्व बंधुत्व और वसुधैव कुटुंबकम् की भावना साकार करते हुए समस्त विश्व के मंगल की कामना करते हुए नववर्ष का स्वागत किया । प्रदेश महामंत्री नरेश चंद्र अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में, प्रान्त मंत्री डॉ शील कोपरा, प्रान्त चित्रकला प्रमुख कामिनी बघेल, कोषाध्यक्ष अशोक गोस्वामी, सुदर्शन शिवहरे, सौरभ सेठ, हरनारायण सविता, सहजेंद्र बघेल आदि ने शंख ध्वनि के साथ भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया ।इसके पूर्व नवसंवत्सर की पूर्व संध्या पर भजन संध्या का आयोजन श्री गणेश सत्संग भवन में किया गया, जिसमें कार्यकारी अध्यक्ष किशन सोनी, उपाध्यक्ष महेंद्र वर्मा, कैलाश नारायण मालवीय, हरनारायण सविता, कामिनी बघेल, सीताराम कुशवाहा और संजय राष्ट्रवादी ने सुमधुर भजन एवं गीत प्रस्तुत किए।

भारतीय नव वर्ष हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों की दिलाता है याद : राघव वर्मा

समय जगत,झांसी। भारतीय नववर्ष के उपलक्ष्य में झांसी सराफा बाजार में एक सुंदर आयोजन हुआ। नगर स्वर्णकार संघ के अध्यक्ष गोविंद शरण वर्मा के नेतृत्व में लोगों ने एक दूसरे को तिलक लगाकर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर स्वर्णकार संघ के बुंदेलखंड प्रभारी राघव वर्मा ने कहा कि सनातन परंपरा हमें प्रेम, भाईचारा, और एकता की शिक्षा देती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय नववर्ष पर ऋतु परिवर्तन के साथ-साथ देवी मां की आराधना का भी समय है, जिससे हम पूरे वर्ष त्याग, तपस्या, और भाईचारे के साथ रह सकते हैं।

यह आयोजन हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों की याद दिलाता है और हमें एकता और प्रेम के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है।

इस अवसर पर स्वर्णकार संघ के जिला अध्यक्ष राजू सिंगार,जिला महामंत्री दिलीप सोनी,जिला कोषाध्यक्ष महेंद्र सोनी, नगर कार्यवाहकअध्यक्ष बंटी सोनी,नगर महामंत्री नरेंद्र सोनी,नगर कोषाध्यक्ष विशाल सिंह,गगन सोनी, इशांत सोनी,मनोज सोनी,सुनील सोनी, रामकुमार सोनी, आलोक वर्मा , संदीप माहौर, अमित सोनी,अतुल सोनी, आदि उपस्थित रहे।

क्षेत्र के विकास के साथ समाज के हर तबके के लिए किए कार्य: लखन सिंह

समय जगत, खुरई। लखन सिंह ने कहा कि क्षेत्र भूपेन्द्र भैया के विशेष प्रयासों से पेयजल और सिंचाई की समस्या को हल करने बीना नदी परियोजना जैसी सौगात क्षेत्र को दी गई हैं। उन्होंने कहा कि अगले साल तक विधानसभा के किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलने लगेगा। जिससे क्षेत्र में फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा वहीं क्षेत्र के व्यापार में भी वृद्धि होगी। यह बात शनिवार को खुरई के जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण करते हुए मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता लखन सिंह ने कही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लखन सिंह ने सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम में 24 दिव्यांगों को बैटरी चलित ट्राई सायकल, 62 हितग्राहियों को ट्राई सायकिल, 27 को व्हीलचेयर, 38 को कान की मशीन, 3 को वॉकर फोल्डेवल, 7 को सुगम्य केन, 49 को छड़ी एवं 3 रोलेटर वितरित किए गए। चिन्हित कुल 168 दिव्यांग जनों को सहायता उपकरणों का वितरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता श्री लखन सिंह ने कहा कि, आपके विधायक भूपेंद्र भैया ने शासकीय योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुचाने का काम किया है। इसके पहले भी आयोजित कई कार्यक्रमों में दिव्यांगों को निः शुल्क ट्राई मोटरसाइकिल, व्हील चेयर, वॉकर, कान की मशीनें आदि उपकरण भूपेन्द्र भैया के प्रयासों से उपलब्ध कराए गए हैं। लखन सिंह ने कहा कि जो दिव्यांग इस शिविर में छूट गए हैं आगे उन्हें भी उपकरण दिए जाएंगे। लखन सिंह ने कहा कि भूपेंद्र भैया ने विकास कार्यों के साथ ही क्षेत्र के हर एक तबके के विकास के लिए कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि खुरई विधानसभा क्षेत्र में रिकॉर्ड प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं। भूपेन्द्र भैया ने हर गरीब के अपने स्वयं के आवास का सपना पूरा किया है। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह को खुरई का और अधिक विकास करना है, इसके लिए वे प्रयासरत हैं। श्री लखन सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना फिर से शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ लखन सिंह ने दीपप्रज्वलन व कन्या पूजन किया। कार्यक्रम के अतिथि का जनपद सीईओ मीना कश्यप, सीएमओ राजेश मेहतेले ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। इसके साथ रोजगार सहायकों, भाजपा कार्यकर्ताओं, युवा नेताओं ने श्री लखन सिंह का स्वागत बड़ी माला से किया।

उलेमाओं को किया गया सम्मानित

कुक्षी। मोहम्मदी मस्जिद मंडी में अफीज शाकिर साहब अशरफी , हाफिज फहीम चिश्ती साहब का कमेटी ने इस्तकबाल लय ल तुल कद्र हजारों रात में से एक रात होती है। इसी रात में कुरानमंजीत को तरावी नमाज़ के साथ कुरान पढ़ा जाता है, जो अल्लाह का हुक्म होता है। वही किया जाता, अल्लाह के रसूल नबी अकरम सल्लल्लाहू अलय वसल्लम दुनिया वालों के लिए एक नायब कीमती तोहफा लेकर आए हैं। वह है कुरान मस्जिद जो अल्लाह के रसूल नबी अकरम सल्लल्लाहो अलैय सल्लम पर नाजिल हुआ। आज हम इस कुरान मजीद को शबे क़दर में पढ़कर अपने आप को खुशी , और गुनाहों की तौबा करने का मौका मिलता है मोहम्मदी मंडी मस्जिद में, इस्तक बालिया प्रोग्राम में , जनाब हाफिज फहीम चिश्ती, जनाब हाफिज शाकीर अशरफी,का इस्तकबाल किया गया ,साथ, कमेटी की और से नज़राना बतौर नेक पेश किया गया इसदौरान कमेटी मेंबर हाजी हातिम शाह, , पूर्व सदर इकबाल शाह, हाजी जाकिर मैकेनिक, रफीक उस्ताद , खातिब बाबू, इस्लामुद्दीन मंसूरी, जावेद जुगाड़, हाजी जनाब सज्जाद खान पत्रकार, सेरु भाई शाह (सदर,) आदि ने उलमाओं का बतौर नज़राना पेशकर इस्तकबाल किया।

संक्षिप्त समाचार

निगम के करदाताओं से सुनहरे अवसर का लाभ प्राप्त करने महापौर प्रीति संजीव सूरी ने की अपील

कटनी। नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की अवधि में सम्पत्ति करए जल प्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार के अधिभार में उपभोक्ताओं को छूट देने का निर्णय लिया है। यह छूट उपभोक्ताओं को 31 मार्च 2025 तक ऑनलाइन भुगतान की दशा में की जाएगी। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने नागरिकों से अपील है कि वे इस संबंध में विस्तृत जानकारी नगर निगम कार्यालय सुभाष चौक स्थित शिविर स्थल एवं माधवनगर उप कार्यालय से संपर्क कर बकाया संपत्ति कर और जल प्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार की राशि जमा कर नगर विकास में सहभागी बनें। साथ कटनी शहर के सम्माननीय नागरिकगण एक बात का विशेष ख्याल रखें टैक्स जमा करने के उपरांत जमा राशि की रसीद जरूर प्राप्त करें ।

पत्रकार दिनेश पटेल बने उपसरपंच

सैयद रिजवान अली- समय जगत, मनावर। जनपद पंचायत मनावर के अंतर्गत ग्राम पंचायत वायल में पंचो द्वारा एक मत होकर उपसरपंच पद पर वरिष्ठ पत्रकार दिनेश पटेल को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। उल्लेखनीय है गत दिनों ग्राम पंचायत वायल के सरपंच के खिलाफ ग्राम पंचायत के पंचों ने एक मत होकर अविश्वास प्रस्ताव पारित किया था। जिसमें पंचो द्वारा निर्वाचन के माध्यम से सरपंच को पद से मुक्त किया गया। जिसके पश्चात नवीन सरपंच भागीराम भाबर की घोषणा पंचो के द्वारा सर्वसम्मती से की गई। भागीराम भाबर द्वारा उपसरपंच पद से त्यागपत्र देने के पश्चात उप सरपंच का पद रिक्त होने से पंचों के द्वारा विशेष बैठक आयोजित कर सर्वसम्मति से ग्राम पंचायत वायल के वार्ड क्रमांक 03 के पंच दिनेश पटेल को उप सरपंच पद पर निर्वाचित की घोषणा की गई। बताया जाता है कि आगामी कार्यकाल के लिए दिनेश पटेल उपसरपंच पद पर कार्यरत रहेंगे। श्री पटेल की इस उपलब्धि पर ग्राम पंचायत वायल के निर्वाचित पंच, ग्रामवासियों, स्नेहीजनों एवं पाटीदार समाज संगठन ने बधाई दी। श्री पटेल ने बताया कि ग्राम पंचायत के सर्वांगीण विकास तथा ग्रामवासियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ निश्चित समय अवधि में मिले इस हेतु निरंतर प्रयासरत रहेंगे। ग्राम पंचायत को आदर्श ग्राम पंचायत बनाना मुख्य लक्ष्य रहेगा।

ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने निकाली गणगौर की शोभायात्रा

सारंगपुर। नगर में सर्व ब्राह्मण समाज के तत्वाधान में महिला मंडल द्वारा गणगौर महोत्सव पर्व की बेला में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर शोभायात्रा निकाली। शोभा यात्रा में महिलाओं ने हाथों में सजीव रूप में सजे गणगौर माता और ईसर (शिव) की प्रतिमाएं धारण कर मंगल गीत गाए। नगर के प्राचीन प्रसिद्ध पीठ अम्बे माता मंदिर से शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए शोभा यात्रा वटकेश्वर महादेव मंदिर पर पहुंची। शोभायात्रा में महिलाओं और युवतियों ने लोक गीतों व ढोल की ताल पर पारंपरिक नृत्य भी किया। आयोजन के दौरान गणगौर की पूजा-अर्चना कर गणगौर माता से सुख, समृद्धि और वैवाहिक जीवन की खुशहाली की कामना की गई। शहर में निकली इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। रास्ते में अनेक स्थानों पर गणगौर का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। सर्व ब्राह्मण समाज के द्वारा स्वल्पाहार सभी उपस्थित लोगों को करवाया गया। आयोजन शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन समाज की महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शिखा शर्मा ने किया तथा आभार सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष संजय शर्मा ने माना।

ट्रेक्टर-ट्राली पलटने से घायल व्यक्ति का निधन

आगर मालवा। शुक्रवार कों तनोड़िया-माकड़ोंन सड़क मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्राली पलटने पर दो व्यक्ति गंभीर रूप सें घायल हो गए थे, जिनमें पंकज पिता रामलाल पाटीदार 35वर्ष व राजेश कुमार पाटीदार दोनों ट्राली पलटने सें उसमें नीचे दब कर गंभीर घायल हो गए थे 7 उनमे सें राजेश कुमार पिता नारायणलाल पाटीदार 45वर्ष का उज्जैन मे ईलाज के दौरान शनिवार कों प्रात :काल मे निधन हो गया 7 अंतिम यात्रा स्वनिवास सें निकली जिसमें समाजजनों के साथ स्थानीय लोगों ने मुक्तिधाम पर सामूहिक श्रदांजलि अर्पित की गई।

कार ने मोटर साईकिल में मारी टक्कर

सिरोंज। स्थानीय थानार्गत ग्राम भरनाखेड़ा पवन कुषवाह ने रिर्पोट दर्ज कराई है कि शनिवार को सुबह नौ बजे मेरा भाई रामू कुषवाह,मेरी पत्नि पूनम एवं मेरा लड़का ऋषभ को आंनदपुरा अस्पताल ईलाज के लिये ले जा रहा तभी साढ़े दस बजे के लगभग मेरी पत्नि पूनम को फोन आया कि हमारी मोटर साईकिल में कार क्रमांक एमपी 07 जेडपी 0705 के चालक ने टोल नाका से आगे आरोन रोड वडेरा पर टक्कर मार दी जिसपर हम हेल्ड एंड केयर हॉस्पिटल में है जिसपर मैं मौके पर पहुॅचा जहांपर डॉक्टरों ने मेरा भाई रामू को ज्यादा चोट होने पर गंभीर घायल होने पर भोपाल रेफर कर दिया जिसपर मैनें अपने भाई को शासकीय राजीव गांधी अस्पताल में चैक कराया तो उसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने फरियादी की रिर्पोट पर उक्त कार चालक के विरूद्व तेजी व लापरवाही से गाड़ी चलाने पर 281, 125ए बीएनएस के तहत प्रकरण कायम शव का पीएम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया।

कलेक्टर ने आदतन अपराधी के विरूद्ध की जिला बदर की कार्यवाही

कटनी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दिलीप कुमार यादव ने थाना बरही, ग्राम पडरिया निवासी 41 वर्षीय आदतन अपराधी शरद उर्फ अन्नू सिंह पिता दद्दू सिंह रघुवंशी के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जिला बदर की कार्यवाही करते हुए 3 माह की अवधि के लिए जिले की राजस्व सीमाओं से निष्कासित कर दिया है। कलेक्टर श्री यादव ने शरद उर्फ अन्नू सिंह के विरूद्ध यह जिला बदर की कार्यवाही पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदनों के आधार पर की है। शरद उर्फ अन्नू सिंह के विरूद्ध वर्ष 2008 से 2024 तक भारतीय दंड संहिता की धारा 506 के अधीन 5 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध है, जिसमें अन्य गंभीर धाराओं का भी उल्लेख है।

विक्रमोत्सव 2025 -इतिहास के मंच पर जीवंत हुआ सम्राट विक्रमादित्य का युग

धार। विक्रम ज्ञान मंदिर में गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ एवं धार जिला प्रशासन के सहयोग से भव्य आयोजन हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन का मुख्य आकर्षण था त्रिकर्षि नाट्य संस्था, भोपाल द्वारा प्रस्तुत सम्राट विक्रमादित्य के युग पर आधारित भव्य नाट्य मंचन, जिसने उपस्थित जनसमूह को इतिहास की स्वर्णिम गाथा से जोड़ दिया।

संस्कृति की धरोहर बनी नाट्य प्रस्तुतिः नाट्य मंचन की शुरुआत में वर्तमान समय के युवाओं के नववर्ष मनाने के तरीके और हमारी प्राचीन संस्कृति के बीच का अंतर दिखाया गया। इसके बाद मंच पर इतिहास की परतें खुलीं और दर्शकों को यह बताया गया कि विक्रम संवत का प्रारंभ क्यों और कैसे हुआ।20 से अधिक कलाकारों ने अपनी सजीव प्रस्तुति से ऐसा समां बाँधा कि दर्शकों को लगा जैसे वे स्वयं विक्रमादित्य के दरबार में उपस्थित हैं। हर दृश्य के साथ तालियों की गूंज बढ़ती गई, और मंच पर इतिहास जीवंत होता गया।

गरिमामयी उपस्थिति और प्रेरक संदेशः कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सवित्री ठाकुर, धार विधायक नीना वर्मा, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, नीलेश भारती, चंचल पाटीदार,नगर पालिका अध्यक्ष नेहा बोड़ाने, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, सीईओ अभिषेक चौधरी,एसडीएम रोशनी पाटीदार, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दीपेंद्र शर्मा, राष्ट्रीय कवि संदीप शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सवित्री ठाकुर ने कहा हमारी परंपरा और संस्कृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना हमारा कर्तव्य है। सम्राट विक्रमादित्य के जीवन से हमें कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रप्रेम की सीख मिलती है। उन्होंने बताया कि पद सिर्फ प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। विधायक नीना वर्मा ने कहा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की यह एक अद्भुत पहल है। इस आयोजन से हर पीढ़ी यह समझ सकी कि हम क्यों भारतीय नववर्ष मनाते हैं और विक्रम संवत की शुरुआत कैसे हुई। इस तरह के सांस्कृतिक आयोजनों से हमारी जड़ों को मजबूती मिलती है।

शराब दुकानों में मनमाने दामों पर बिक रही है शराब

समय जगत, सिरोंज। नगर के शराब ठेकेदार प्रबंधन की मनमर्जी के आगे पूरे वर्ष भर स्थानीय आबकारी विभाग नतमस्तक दिखायीं दिया। वित्तीय वर्ष की शुरूआत में अवष्य जिला आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा मनमर्जी पूर्वक प्रिंट रेट से अधिक दामों पर शराब बेचने पर जांच कर बासौदा नाका स्थित शराब दुकान को एक दिन बंद कर जुर्माना लगाया गया मगर उसके बाद पूरा वित्तीय वर्ष समाप्त होने की ओर पहुॅच गया मगर शराब दुकान के गुर्गो द्वारा रेट लिस्ट न लगायीं औंर न ही प्रिंट रेट पर शराब बेची वरन स्थानीय आबकारी विभाग के जिम्मेदारों द्वारा नियमित दुकान का निरीक्षण न करने के कारण मनमर्जी पूर्वक प्रिंट रेट से अधिक मनमाने दामों पर शराब बेची गयीं और शराब दुकानों के रेट लिस्ट भी नहीं लगायीं गयीं है। वही नगर में चर्चारत है कि इसबार अभी तक सिरोंज क्षेत्र की शराब दुकानों का अबतक ठेका नहीं हुआ है जिसपर शराब ठेकेदार के गुर्गे क्षेत्र के विभिन्न एजेंटो को कम दामों पर शराब का भंडारण करा सकते है। जिसपर आबकारी विभाग के जिम्मेदारों द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

इनका कहना है

रेट लिस्ट लगायीं तो होगी अगर नहीं लगी है तो जांच कर लेगें और अगर शराब का अवैध भंडारण करेंगे तो चैक किया जावेगा।

संजय ईवने, उपनिरीक्षक आबकारी विभाग सिरोंज।

नगर निगम अमले ने सुबह-सुबह की 9 दुकानों में तालाबंदी

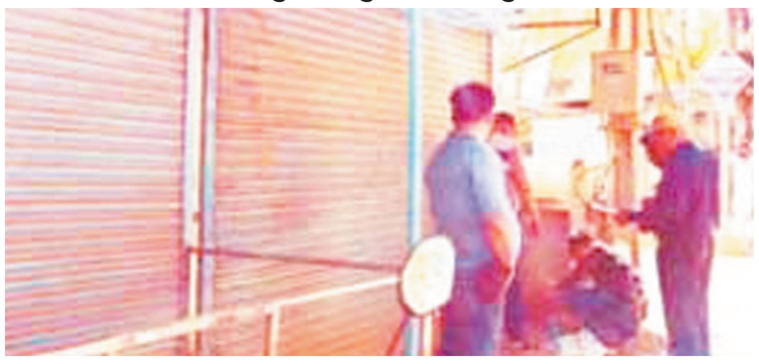

कटनी। नगर निगम सीमा क्षेत्र में संपत्ति कर वसूली का लक्ष्य 14 करोड़ के लगभग है। नगर निगम का राजस्व अमला लक्ष्य पूर्ति के लिए अथक मेहनत कर रहा है। अधिकारी कर्मचारी सभी सुबह से देर रात तक नगर निगम की वार्षिक आय बढ़ाने में लगे हुए हैं। कल सुबह नगर निगम अमले ने शहर में कई जगह सीलिंग की कार्यवाही करते हुए तालाबंदी की। एक जानकारी में निगम के राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक ने बताया की शुक्रवार की रात 12 बजे तक टीम ने मुस्तेद रहकर संपत्ति, जल अन्य में 650 रसीदों के माध्यम से 32 लाख की जमा कराए। हम धीरे धीरे अपने लक्ष्य की करीब पहुंच रहे है, वहीं कल सुबह तालाबंदी की कार्यवाही के दौरउ नगर निगम अमले ने बस स्टेंड में 5 दुकानों, नगर निगम के सामने 1 दुकान, ईश्वर कृपा मार्केट में 1 दुकान, लखेरा में 2 दुकानों में बार बार नोटिसों के बाद भी नगर निगम का वार्षिक कर न चुकाए जाने को तालाबंदी की कार्यवाही की।

पूर्व विधायक राणा ने केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान से भेंटकर क्षेत्र के संतरा उत्पादक किसानों की समस्याओं से कराया अवगत

आगर मालवा। शनिवार को पूर्व विधायक राणा विक्रमसिंह ने भोपाल पहुँचकर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराजसिंह चौहान से सौजन्य भेंटकर क्षेत्र के किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। पूर्व विधायक राणा ने केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान को बताया कि देश में सर्वाधिक संतरे का उत्पादन मध्यप्रदेश में 1 लाख 21 हजार हेक्टेयर में होता है। मध्यप्रदेश में सर्वाधिक उत्पादन में आगर मालवा जिला दूसरे और शाजापुर तीसरे नंबर पर आता है, लेकिन संतरा उत्पादन को लेकर दोनों जिले में दो समस्याएं किसानों के सामने हैं। पहली मिस्सी और अफसल और दूसरी किसानों का कंपनियों से सीधा संपर्क नहीं होगा। इससे किसानों को उचित दाम नहीं मिल पाता। गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाने के साथ ही किसानों का माल सीधे कंपनी खरीदती है तो किसानों को अधिक फायदा होगा। आगर जिले के 42 हजार 433 और शाजापुर जिले के 12600 हेक्टेयर में होने वाले संतरे उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र में संगोष्ठी हुई। संतरे अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक सहित अन्य कृषि वैज्ञानिकों ने आवश्यक जानकारी दी। किसानों ने मिस्सी और अफलन समस्या बताई। जिससे दो वर्षों से जिले में संतरे का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। जिस पर कृषि मंत्री श्री चौहान ने इस अवसर पर पूर्व विधायक राणा को क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को गम्भीरता पूर्वक विचार कर निराकरण करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक राणा ने केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान को गुलदस्ता भेंटकर सम्मान किया।

हार्टफुलनेश टीम द्वारा औबेदुल्लागंज पुलिस को 3 दिवसीय ध्यान केन्द्र संबंधी सेमिनार आयोजन कर किया गया प्रशिक्षित

औबेदुल्लागंज, समय जगत। पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेश क्रमांक -पु0मु0/सी-63/हार्टफुलनेस/1/2025 के पालन में श्रीमान पुलिस अधीक्षक श्री पंकज कुमार पाण्डेय जिला रायसेन के निर्देशन में पुलिस की मानसिक एवं शारीरिक परेशानियो को कम करने हेतु थाना परिसर औबेदुल्लागंज में हार्टफुलनेश टीम द्वारा निशुल्क 03 दिवसीय सेमिनार आयोजन कर ध्यान केन्द्र करने से बेहतर स्वास्थ व मानसिक लाभ, शारीरिक व आध्यात्मक लाभ, बेहतर रिश्ते व मन की शांति, भावनात्मक स्थिरता, नशे की आदतो से बचाव, बेहतर एकाग्रता लक्ष्य प्राप्ति में आसानी, याददास्त में सुधार, बेहतर सीखने की क्षमता, आत्मा को जानना व प्रश्न मन, विकसित अंतर्ज्ञान आदि से पुलिस बल को मानसिक रुप से सशक्त बनाने हेतु सेमीनार सेमीनार का आयोजन किया गया। जिसमें श्रीमती शीला सुराणा एसडीओपी औबेदुल्लागंज, निरी0 भरत प्रताप सिंह थाना प्रभारी औबेदुल्लागंज, निरी0 महेश कुमार टाण्डेकर थाना प्रभारी गौहरगंज एवं उनि तेजपाल सिंह थाना प्रभारी नूरगंज, एसडीओपी कार्यालय सहित तीनों थानो का बल करीबन 30-32 का पुलिस बल उक्त सेमीनार में शामिल हुये ।

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

पन्ना। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य मे आयोजित उक्त कार्यक्रम में अनेक प्रतियोगितायें सम्पन्न हुई । उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुरेश कुमारए कलेक्टर पन्ना उपस्थित रहे तथा विशिष्ठ अतिथि के रूप में राजेश गौतम उद्योग प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुये। कार्यक्रम का शुभआरम्भ मॉ सरस्वती की वंदना तथा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया तत्पश्चात उपस्थित अतिथियों का स्वागत प्राचार्य अरबिंद त्रिपाठी एवं अन्य प्राध्यपकों द्वारा किया गया तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा संस्था का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया एवं एक वर्ष की सम्पूर्ण गतिविधियों से उपस्थित अतिथियों एवं अन्य लोगों को अवगत कराया उन्होने बताया कि नवीन भवन के निमार्ण हेतु चौदह कारोड़ तिहत्तर लाख के प्रस्ताव भेजे गये है। तत्पश्चात कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि कलेक्टर एवं अध्यक्ष जनभागीदारी समिति सुरेश कुमारए द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि तकनीकी विद्यार्थियों को प्लेसमेंट के साथ.साथ स्वरोजगार की ओर जाना चहीये आप लोग काम मागने वाले नहीं काम देने वाले बने कार्यक्रम को अनेक लोगों ने संबोधित किया जिसमें विशिष्ट अतिथि रहे राजेश गौतम ने कहा कि पोलिटेकनिक महाविद्यालय के छात्र-छात्रये प्रतिभा शाली है इन्ही के कंधों पर आगामी देश का भविष्य टिका है इसलिये सभी छात्रों को अपनी प्रतिभा को बढाना है तथा जिस क्षेत्र में है उसमें रहकर कार्य करना है। तत्पश्चात उपस्थित अतिथियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभावियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । इस औसर अनेक लोग उपस्थित रहे जिसमें मुख्यरूप से श्रीमति शिवांगी जैनए अंशुमान रेलेए अतिथि व्याख्याता एवं विद्यार्थियों की ओर से उन्नति सेन एवं मोहित त्रिपाठी राकेश द्विवेदीए देवब्रत चतुर्वेदीए हरीश पाठकए मूलचंद सिंहए श्रीमति सोनूए हरगोविन्द कुर्मीए श्रीमति पूजा खरेए श्रीमति शायना परवीनए श्रीमति मोनिका गुप्ताए श्री अमित ताम्रकारए श्री कौशल कोरीए श्रीमति नीलोफर जहाँए श्रीमति रुचि खरेए सुभाष पांडेए सुरेन्द्र कुशवाहाए जीवन लाल सिद्धार्थएसंतोष साहूए जीतेंद्रए ओमप्रकाशए बुद्धसेनए चमनए ताराचंदए सुखलालए पुनीतए कल्लूए सुनीलए घनश्यामए शत्रुघन एवं अशोक पाण्डेय ने अपना सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से श्रीमति वर्षा त्रिपाठीए श्रीमति ज्योति रेले भी उपस्थित रहे।

संपादकीय

घरेलू हिंसा रोकने पारिवारिक सरोकारों का पालन है जरूरी

आजकल घरेलू हिंसा के मामले ज्यादा सामने आ रहे हैं। हत्याएं, उत्पीड़न केप्रकरणों में दिनों दिन बढ़ोत्तरी हो रही है। घरेलू हिंसा या फिर महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को लेकर न सिर्फ अक्सर बातें होती हैं बल्कि कठोर कानून भी बने हैं, बावजूद इसके इनमें कोई कमी नहीं दिखती। लेकिन इस घरेलू हिंसा का एक पक्ष यह भी है कि घरेलू हिंसा के पीड़ितों में महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरुष भी हैं लेकिन उनकी आवाज इतनी धीमी है कि वह न तो समाज को और न ही कानून को सुनाई पड़ती है। पारिवारिक मसलों को सुलझाने के मकसद से चलाए जा रहे तमाम परामर्श केंद्रों की मानें तो घरेलू हिंसा से संबंधित शिकायतों में करीब चालीस फीसद शिकायतें पुरुषों से संबंधित होती हैं यानी इनमें पुरुष घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं और उत्पीड़न करने वाली महिलाएं होती हैं। हाल ही में पुरुषों के साथ हो रही घरेलु हिंसा की घटना अखबारों की सुर्खियाँ बनी हुई है । यह घटना उत्तर प्रदेश के मेरठ की है । यहां पर मुस्कान नाम की महिला ने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ की हत्या कर दी। इसके बाद शव के कई टुकड़े करके नीले रंग के ड्रम में रखकर सीमेंट डाल दिया। पति का मर्डर करने के बाद मुस्कान ने लोगों को बताया कि उसका पति घूमने गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद मुस्कान अपने प्रेमी साहिल के साथ हिमाचल प्रदेश के शिमला घूमने चले गई। यही नहीं मुस्कान अपने पति का फोन भी लेकर साथ गई और उसने उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर हिमाचल के वीडियो भी डाले, ताकि लोगों को लगे कि सौरभ हिमाचल घूमने गया है। इस घटना के बाद तो ड्रम को लेकर महिलाओं ने ड्रम को अपनी धौस देने का हथियार बना लिया है लेन लग गई है । कई जगह से समाचार आ रहे की पत्नियाँ अपने पति को इसी प्रकार मरने की धमकियां दे रही है । मेरठ से ही एक और ऐसा मामला सामने आया है जहां पति-पत्नी के झगड़े में पत्नी ने पति को ऐसी ही भयानक हत्या की धमकी दे डाली। शख्स की पत्नी ने उससे कहा कि अगर हरकतों से बाज नहीं आया तो वह उसके टुकड़े कर ड्रम में भर देगी। आरोप है कि पत्नी ने सोते समय पति के सर पर ईंट मारकर उसे घायल भी कर दिया था। ऐसे मामलों में कभी महिला आयोग में शिकायतें होती हैं तो कभी पुरुष आयोग बनाने की मांग उठती है। लेकिन ऐसे आयोगों की प्रासंगिकता व उपयोगिता पर ही सवाल उठते हैं। ऐसे आयोगों को काफी हद कानूनी अधिकार तो रहते हैं लेकिन इन आयोगों में नियुक्त होने वाले लोगों की योग्यता एवं उनकी कार्यक्षमता पर ही संदेह रहता है। क्यों कि यह नियुक्तियां राजनीतिक होती हैं। महिला आयोग में नियुक्त पदाधिकारियों की भूमिका कई बार सिर्फ पद हासिल करने और वेतन भत्ता लेने तक ही सीमित रह जाती है। आयोग के द्वारा महिलाओं की समस्याओं के समाधान व उन्हें न्याय दिलाने का कोई काम नहीं हो पाता। इसी तरह पुरुष आयोग के गठन की मांग ही बेमानी है। समस्याओं का समाधान तो दक्ष, अधिकार संपन्न व कार्यकुशल शासन- प्रशासन के अधिकारी ही करते हैं। साथ ही विधिक-न्यायिक क्षेत्र भी इस मामले में काफी गरिमापूर्ण एवं प्रतिष्ठित है। घरेलू हिंसा रोकने के लिये जरूरी है कि लोगों में पारिवारिक सरोकारों- मूल्यों का विकास हो, चाहे महिला हो या पुरुष वह दांपत्य जीवन के महत्व को समझे और अपना आचरण सुदृढ़ रखें।

कला-संस्कृति-राजस्थान का प्रमुख लोकोत्सव है गणगौर पर्व

नजरिया

राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है।

रमेश सर्राफ धमोरा

गणगौर एक प्रमुख त्योहार है। यह मुख्य रूप से राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में मनाया जाता है। गणगौर दो शब्दों गण और गौर से बना है। इसमें गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती से है। इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीर्घायु और आरोग्य की प्राप्ति होती है। राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भवना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है। गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। कहा जाता है

कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत का राजस्थान में बड़ा महत्व है। कहते हैं इसी व्रत के दिन देवी पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। इसलिए महिलाएं इस दिन गणगौर की पूजा करती हैं। कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है।

होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं- गौर ये गणगोर माता खोल किवाड़ी, छोरी खड़ी है तन पूजण वाली। गीत गाने के बाद लड़कियां गणगौर की कहानी सुनती है। दोपहर को गणगौर के भोग लगाया जाता है तथा कुए से लाकर पानी पिलाया जाता है। लड़कियां कुए से ताजा पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैं- म्हारी गौर तिसाई ओ राज घाट्यारी मुकुट करो, बीरमदासजी रो ईसर ओराज, घाटी री मुकुट करो, म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी राज घाटीरी मुकुट करो। लड़कियां गीतों में गणगौर के प्यासी होने पर काफी चिन्तित लगती है एवं गणगौर को जल्दी से पानी पिलाना चाहती है। पानी पिलाने के बाद गणगौर को गेहूं चने से बनी घूघरी का प्रसाद लगाकर सबको बांटा जाता है और लड़कियां गीत गाती हैं- म्हारा बाबाजी के माण्डी गणगौर, दादसरा जी के माण्ड्यो रंगरो झूमकड़ो, ल्यायोजी - ल्यायो ननद बाई का बीर, ल्यायो हजारी ढोला झुमकड़ो। रात को गणगौर की आरती की जाती है तथा लड़कियां नाचती हुई गाती हैं। गणगौर पूजन के मध्य आने वाले एक रविवार को लड़कियां उपवास करती हैं। प्रतिदिन शाम को क्रमवार हर लडकी के घर गणगौर ले जायी जाती है। जहां गणगौर का ''बिन्दौरा'' निकाला जाता है तथा घर के पुरुष लड़कियों को भेंट देते हैं। लड़कियां खुशी से झूमती हुई गाती हैं- ईसरजी तो पेंचो बांध गोराबाई पेच संवार ओ राज म्हे ईसर थारी सालीछां। गणगौर विसर्जन के पहले दिन गणगौर का सिंजारा किया जाता है। लड़कियां मेहन्दी रचाती हैं। नये कपड़े पहनती हैं, घर में पकवान बनाये जाते हैं। सत्रहवें दिन लड़कियां नदी, तालाब, कुए, बावड़ी में ईसर गणगौर को विसर्जित कर विदाई देती हुई दुःखी हो गाती हैं- गोरल ये तू आवड़ देख बावड़ देख तन बाई रोवा याद कर। गणगौर की विदाई का बाद कई महिनो तक त्यौहार नहीं आते इसलिए कहा गया है- ''तीज त्यौहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर''। अर्थात् जो त्यौहार तीज (श्रावणमास) से प्रारम्भ होते हैं उन्हें गणगौर ले जाती है। ईसर-गणगौर को शिव पार्वती का रूप मानकर ही बालाऐं उनका पूजन करती हैं। गणगौर के बाद बसन्त ऋतु की विदाई व ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत होती है। दूर प्रान्तों में रहने वाले युवक गणगौर के पर्व पर अपनी नव विवाहित प्रियतमा से मिलने अवश्य आते हैं। जिस गोरी का साजन इस त्यौहार पर भी घर नहीं आता वो सजनी नाराजगी से अपनी सास को उलाहना देती है। ''सासू भलरक जायो ये निकल गई गणगौर, मोल्यो मोड़ों आयो रे''। गणगौर महिलाओं का त्योहार माना जाता है इसलिए गणगौर पर चढ़ाया हुआ प्रसाद पुरुषों को नहीं दिया जाता है। गणगौर के पूजन में प्रावधान है कि जो सिंदूर माता पार्वती को चढ़ाया जाता है महिलाएं उसे अपनी मांग में सजाती हैं। शाम को शुभ मुहूर्त में गणगौर को पानी पिलाकर किसी पवित्र सरोवर या कुंड आदि में इनका विसर्जन किया जाता है। आज आवश्यकता है इस लोकोत्सव को अच्छे वातावरण में मनाये। हमारी प्राचीन परम्परा को अक्षुण बनाये रखे। इसका दायित्व है उन सभी सांस्कृतिक परम्परा के प्रेमियों पर है जिनका इससे लगाव है। जो ऐसे पर्वो को सिर्फ पर्यटक व्यवसाय की दृष्टि से न देखकर भारत के सांस्कृतिक विकास की दृष्टि से देखने के हिमायती हैं।अब राजस्थान पर्यटन विभाग की वजह से हर साल मनाए जाने वाले इस गणगौर उत्सव में शामिल होने कई देशी-विदेशी पर्यटक भी पहुँचने लगे हैं।

रिश्तों की किताबः हर पन्ने पर बुनें नए किस्से

प्रो. आरके जैन

रिश्ते हमारे जीवन की वो मधुर धुन हैं, जो हर सुख-दुख में हमारे साथ गूंजती हैं। ये वो बगीचा हैं, जिसमें प्यार के फूल खिलते हैं और देखभाल की बारिश से लहलहाते हैं। लेकिन क्या करें कि ये फूल कभी मुरझाएँ नहीं और धुन हमेशा ताज़ा रहे? एक आकर्षक और प्रभावी सफर पर चलते हैं, जहाँ रिश्तों को जीवंत रखने के राज़ खुलते हैं। कल्पना करें, आप और आपका कोई खास एक नदी के किनारे बैठे हैं। बीच में एक पुल है—संवाद का पुल। अगर ये मज़बूत होगा, तो दिल की हर बात आसानी से पार हो जाएगी। अपने प्रियजन से पूछें, आज तुम्हारे दिल में क्या चल रहा है? और फिर उनकी बात को ऐसे सुनें जैसे कोई कविता सुनाई जा रही हो। गलतफहमियों के पत्थर हटाएँ, प्यार से बात करें—देखिएगा, रिश्ता कैसे खिल उठता है। ज़रा सोचिए, आप अपने दोस्त या पार्टनर के साथ एक शांत शाम बिता रहे हैं। कोई फ़ोन नहीं, कोई जल्दी नहीं—बस आप और वो। एक कप चाय हाथ में, हल्की हँसी हवा में—क्या ये पल रिश्तों को सोने-सा चमका नहीं देगा? समय वो जादुई धागा है, जो रिश्तों को बाँधे रखता है। तो आज ही वादा करें—हर हफ्ते एक पल सिर्फ़ उनके लिए। तुम्हारी मुस्कान कमाल है ! या तुमने ये कितना शानदार किया ! —ये शब्द सुनकर किसका दिल नहीं पिघलेगा? तारीफ़ एक ऐसा दर्पण है, जिसमें दूसरा अपनी खूबियाँ देखता है। अपने प्रियजनों की छोटी-छोटी बातों को नोटिस करें और उन्हें बताएँ कि वो आपके लिए कितने खास हैं। ये रिश्तों में सूरज-सी रोशनी भर देगा। बड़े मौके तो साल में एक-दो बार आते हैं, लेकिन छोटी खुशियाँ तो रोज़ बिखरी हैं। कभी उनके लिए उनकी पसंद की मिठाई ले आएँ, कभी बिना वजह एक प्यारा मैसेज भेज दें। साथ में बारिश में भीगें या कोई पुरानी याद ताज़ा करें। ये छोटे-छोटे लम्हे रिश्तों को चाँदनी-सा निखार देते हैं।

ज़िंदगी में गलतियाँ तो होंगी ही। कोई बात दिल को चुभ गई, कोई लफ्ज़ भारी पड़ गया—तो क्या? माफ़ी वो मरहम है, जो रिश्तों के ज़ख्म भर देता है। ÷मुझे माफ़ कर दो कहना कमज़ोरी नहीं, बल्कि प्यार की ताकत है। और जब माफ़ कर दें, तो उसे दिल से भूल भी जाएँ। जब ज़िंदगी का तूफ़ान आए या खुशियों की बहार, अपने प्रियजनों का हाथ थामें। उनकी जीत में तालियाँ बजाएँ, हार में कंधा दें। ये साथ रिश्तों को चट्टान-सा मज़बूत बनाता है। एक बार कहकर देखिए, मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ—ये शब्द रिश्तों की नींव गहरी कर देंगे। रोज़ एक ही स्वाद से जीभ थक जाती है, तो रिश्तों में एकरसता क्यों बर्दाश्त करें? कभी साथ में नई रेसिपी आज़माएँ, कभी अनजानी गली में सैर करें। कोई नया गाना सुनें या डांस की क्लास जॉइन कर लें। ये नयापन रिश्तों में ताज़ा हवा का झोंका ले आएगा। रिश्ते वो अनमोल किताब हैं, जिसके हर पन्ने पर प्यार की कहानी लिखी होती है। इसे जीवंत रखने के लिए थोड़ा साहस, थोड़ी शरारत और ढेर सारा प्यार चाहिए। तो आज से ही अपने रिश्तों को एक नई उड़ान दें—हँसें, गाएँ, साथ जिएँ। क्योंकि जब रिश्ते खिलते हैं, तो ज़िंदगी महक उठती है।

ईद पर सौगात तो दीपावली पर उपहार क्यों नहीं?

तनवीर जाफरी

भाजपा द्वारा गत दिनों सौगात-ए-मोदी नामक एक अभियान की शुरुआत की गयी। इस अभियान के अंतर्गत देश के 32 लाख मुसलमानों को ईद मनाने के लिए विशेष किट दिये जाने का समाचार है। खबरों के मुताबिक भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे के कार्यकर्ताओं के माध्यम से देश की अनेक चयनित मस्जिदों में कम से कम 100 लोगों को सौगात-ए-मोदी रुपी विशेष किट देकर उन्हें सहायता पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मोदी की इस सौगात में महिलाओं के लिए सूट, पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा, दाल, चावल, सेंवई , सरसों का तेल, चीनी, कपड़े, मेवा, खजूर आदि शामिल हैं। देश भर में मुसलमानों के साथ केंद्र से लेकर अनेक भाजपा शासित राज्यों द्वारा जिसतरह का सौतेला व्यवहार किया जा रहा है इन हालात के मद्देनजर ईद पर सौगात-ए-मोदी पर चर्चा होना लाजिमी है। सौगात-ए-मोदी से जुड़े ऐसे कई सवाल हैं जिसका जवाब देश की जनता सुनना चाहती है।

पहला सवाल तो यही कि अपनी स्थापना के समय से ही कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाने वाली भाजपा की नजरों में क्या यह तुष्टिकरण नहीं है ? क्या कांग्रेस या अन्य दल अल्पसंख्यकों के फायदे के लिये कोई योजनाएं लाएं तो केवल वही तुष्टिकरण है और भाजपा जो करे उसे सन्तुष्टीकरण का नाम दे दे ?दूसरी बात यह कि मोदी का मुस्लिम प्रेम न तो गुजरात में लंबे समय तक उनके मुख्यमंत्री रहते उमड़ा न ही पिछले दस वर्षों में उनकी प्रधानमंत्री काल में यह नजर आया। फिर अब आखिर इस सौगात की याद क्यों आई और इसकी जरुरत क्यों महसूस हुई ? कहीं यह इसी वर्ष अक्टूबर या नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुस्लिम मतों को लुभाने का एक शगूफा तो नहीं ? एक सवाल यह भी कि दूसरे दलों पर वोटों की खातिर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का आरोप मढ़ने वाली भाजपा ईद पर बंटने वाली सौगात-ए-मोदी को क्या मुफ्त की रेवड़ी नहीं कहेगी ? और इन सबसे बड़ा सवाल यह कि यदि प्रधानमंत्री ईद पर मुसलमानों को सौगात दे रहे हैं तो क्या देश की बहुसंख्य हिन्दू आबादी दीपावली पर उपहार की हकदार नहीं ? प्रधानमंत्री को फरवरी 2017 में उत्तर प्रदेश के फतेहपुर की एक जनसभा में राज्य की तत्कालीन समाजवादी सरकार के लिये दिये गये उस बहुचर्चित व विवादित प्रवचन को नहीं भूलना चाहिये जिसमें उन्होंने कहा था कि- धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। यूपी में भेदभाव सबसे बड़ा संकट है। ये भेदभाव नहीं चल सकता। हर किसी को उसके हक़ का मिलना चाहिए ये

सबका साथ सबका विकास होता है। उन्होंने कहा, अगर होली पर बिजली मिलती है तो ईद पर भी बिजली मिलनी चाहिए।अगर रमजान में बिजली मिलती है तो दिवाली पर भी बिजली मिलनी चाहिए। गांव में कब्रिस्तान बनता है तो श्मशान भी बनना चाहिए। भेदभाव नहीं होना चाहिए। धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। तो क्या उपरोक्त प्रवचन केवल विपक्ष के लिये ही है ? आज यह सवाल जरूरी क्यों नहीं कि मुसलमानों को ईद पर सौगात तो हिन्दुओं को दीपावली पर क्यों नहीं ? गुरुपर्व पर सिक्खों को तोहफा क्यों नहीं ? ईस्टर या गुड फ्राइडे पर ईसाइयों को क्यों नहीं ? यह भेदभाव क्यों और इसका कारण क्या है ? दरअसल भाजपा ने कोरोना काल के बाद मुफ्त राशन बांटकर आम जनता के वोट लेने का जो तरीका अपनाया है और उसे मतदाताओं की नयी श्रेणी अर्थात लाभार्थी श्रेणी के रूप में चिन्हित किया है यह सौगात -ए -मोदी भी उसी तरह का एक खेल है जो बिहार चुनाव से पहले खेला जा रहा है। इस खेल के बहाने भाजपा लालू यादव व नितीश कुमार दोनों ही नेताओं के साथ खड़े मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद करने का एक प्रयास कर रही है। उसे लगता है कि जिसतरह मुफ्त राशन बांटकर उसने भूखे व बेरोजगार लोगों को अपने पक्ष में कर लिया है शायद सौगात -ए -मोदी किट भी बिहार में भाजपा के लिये उसी तरह फायदेमंद साबित हो। परन्तु शायद ऐसा होने वाला इसलिए नहीं क्योंकि इस समय मुसलमानों की सबसे बड़ी चिंता उनकी सुरक्षा है,उनकी शिक्षा व रोजगार है। उनकी इबादतगाहों की सुरक्षा है। उनके धार्मिक रीति रिवाजों को अमल में लाने की स्वतंत्रता है। उनके साथ निष्पक्षता से पेश आना तथा न्याय करना है। परन्तु इसी मोदी राज में देश के अनेक भाजपा शासित राज्यों में नमाज पढ़ने पर पाबंदी लगाई जा रही है। सड़कों,पार्कों यहाँ तक कि अपने घर की छतों पर भी नमाज पढ़ने पर रोक लगने की खबर है। हरियाणा में तो ईद का अवकाश ही 31 मार्च को बहाना बनाकर गजटेड हॉलीडे की लिस्ट से हटा कर रिस्ट्रिक्टेड हॉलिडे कर दिया गया है। ऐसे में विपक्ष सवाल कर रहा है कि ईद मुसलमानों का एक ही सबसे बड़ा त्योहार होता है, जो पूरे देश में मनाया जाता है। ऐसे में आखिर ईद की गजेटेड छुट्टी को वैकल्पिक छुट्टी के रूप में क्यों बदल दिया गया ? आज जगह जगह मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार की खबरें आ रही हैं। यहाँ तक कि महाकुंभ जैसे आयोजन में कुछ लोगों ने मुसलमानों के मेला प्रवेश तक का विरोध किया। खुले आम भाजपाई समर्थक नफरत फैला रहे हैं। अनेक स्थानों से पुलिस,प्रशासनिक पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की खबरें आ रही हैं। मुसलमानों के धर्म स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। जगह जगह बेगुनाह लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाये जा रहे हैं। दिसंबर 2019 में नागरिकता संशोधन विधेयक पर होने वाले विरोध प्रदर्शनों को लेकर यह मोदी ने ही तो कहा था कि जो आग लगा रहे हैं, टीवी पर जो उनके दृश्य आ रहे हैं, ये आग लगाने वाले कौन हैं, उनके कपड़ों से ही पता चल जाता है। और आज उन्हीं को सौगात पेश की जा रही है ? यदि भाजपा या मोदी वास्तव में मुसलमानों को सौगात देना चाहते हैं तो उन्हें व उनकी पार्टी व सरकार को भारतीय मुसलमानों से नफरत करने वाले लोगों की बयानबाजियों पर लगाम लगनी चाहिये। जब संसद में उनके सांसद खुले आम मुसलमानों को गालियां देने लगें तो समझा जा सकता है कि इस विरोध की जड़ें कितनी गहरी हैं। पक्षपात हर स्तर पर बंद होना चाहिये। इसी लिये यदि ईद पर सौगात दे रहे हैं तो दीपावली-होली,गुरुपर्व पर भी उपहार दिया जाना चाहिये।

बिहार की राजनीति में छोटी छोटी पार्टियां ला सकती हैं बड़ा बदलाव

कमलेश पांडे

भारतीय इतिहास में चंपारण आंदोलन के बाद महात्मा गांधी जिस तरह से पूरे देश में चमके और सम्पूर्ण क्रांति के बाद जयप्रकाश नारायण जिस तरह से समूचे राष्ट्र में लोकप्रिय हुए, उससे यहां की सियासी हवा को समझा जा सकता है। भारतीय राजनीति में बिहार को सियासी प्रयोगशाला समझा जाता है। यहां पर कई ऐसे दिग्गज राजनेता हुए, जिसे चुनावी मौसम विज्ञानी तक करार दिया गया। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. रामविलास पासवान और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम अग्रगण्य है। चूंकि बिहार विधानसभा 2025 के लिए अक्टूबर-नवम्बर में चुनावी होने हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण चुनावी साल भी है, जिसके दृष्टिगत सभी राजनीतिक दल अपने अपने समीकरण बनाने में जुट गए हैं। यूँ तो राज्य में कुल 243 सीटें हैं और दो बड़े गठबंधन हैं। जिनमें भाजपा और जेडीयू आदि की भागीदारी वाला एनडीए अभी सत्ता में है और कांग्रेस व आरजेडी आदि की भागीदारी वाला महागठबंधन विपक्ष में है। वहीं, दोनों ही गठबंधन में कुल 10 महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टियां हैं, जो जाति-धर्म-क्षेत्र के आधार पर या फिर कहें कि खुद को सत्ता में बनाए रखने की संभावनाओं के आधार पर भारी उलटफेर करती रहती हैं, जिससे भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े दलों का सियासी कद भी उनके सहयोगियों की जिद्द के समक्ष बौना नजर आता है। यहां की राजनीति में जदयू सुप्रीमो व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गठबंधन में उलटफेर का ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है कि बिहार के कई सारे सियासी रिकॉर्ड को उन्हें ध्वस्त कर अपने नाम कर लिया है। वहीं, नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री व राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की सियासी हनक से प्रेरणा लेते हुए कई ऐसे राजनीतिक दल अस्तित्व में आए हैं, जो अपने अपने इलाकों में अच्छे-खासे सक्रिय नजर आ रहे हैं और किसी भी प्रतिद्वंद्वी के सियासी भविष्य को मटियामेट करने लायक व्यापक प्रभाव रखते हैं। इनमें नवस्थापित जनसुराज पार्टी के सर्वेसर्वा प्रशांत किशोर के अलावा पुष्पम प्रिया, असदुद्दीन ओवैसी और आरसीपी सिंह आदि की पार्टी प्रमुख है, क्योंकि ये नेता ना तो लालू यादव-कांग्रेस के खेमे से जुड़े हैं और ना ही नीतीश कुमार-बीजेपी के खेमे में हैं। इसलिए यह समझा जा सकता है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में इन नेताओं की पार्टियां किसी तीसरे मोर्चे के रूप में उभर रही हैं, जो पारंपरिक गठबंधनों से अपनी अलग और अलहदा पहचान बनाने की कोशिश में जुटी हुई हैं। कहने का तातपर्य यह कि ये दल स्वतंत्र रूप से अपनी अपनी राजनीतिक गतिविधियों में लगे हुए हैं, जो यदि बिहार विधानसभा की 10-20 प्रतिशत सीटें भी जीतने में कामयाब हो गए तो नीतीश कुमार और लालू प्रसाद का रिमोट कंट्रोल अपने हाथ में रखने में सफल होंगे। भारतीय इतिहास में चंपारण आंदोलन के बाद महात्मा गांधी जिस तरह से पूरे देश में चमके और सम्पूर्ण क्रांति के बाद जयप्रकाश नारायण जिस तरह से समूचे राष्ट्र में लोकप्रिय हुए, उससे यहां की सियासी हवा को समझा जा सकता है। वैसे भी हिंदी पट्टी की राजनीति गैर कांग्रेस और गैर भाजपा राजनीति के लिए मुफीद समझी जाती है, जबकि लंबे समय तक कांग्रेस ने और फिर भाजपा ने इसे मनमाफिक हांका है। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार इसी सियासी दांवपेंच की सफल पैदाइश समझे जाते हैं। हालांकि, बिहार की नई पीढ़ी अब इस तरह की घाती-प्रतिघाती राजनीति से ऊब चुकी है। इसलिए साल 2025 में वहां कुछ नया करिश्मा हो जाए तो कोई हैरत की बात नहीं होगी। आप मानें या न मानें, लेकिन बिहार की राजनीति को पड़ोसी प्रान्त उत्तरप्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश नेपाल व बंगलादेश की राजनीति भी प्रभावित करती है। पाकिस्तान और अरब देशों की सियासत का प्रभाव भी बैक डोर से यहां की राजनीति पर प?ती है, इसलिए यहां की राजनीति को एकतरफा रूप से प्रभावित करने में कभी लालू प्रसाद सफल हुए तो कभी नीतीश कुमार। अब आगे की लड़ाई उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (भाजपा), पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव (राजद), चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (जनसुराज पार्टी) और युवा तुर्क नेता कन्हैया कुमार (कांग्रेस) के बीच यदि सिमट जाए तो किसी के लिए हैरत की बात नहीं होगी।

बिना पंजीकृत वाटर प्लाण्टों से बेचा जा रहा बोर का पानी

पंजीकरण न कराने और एनओसी न लेने पर 2 से 5 लाख तक के जुर्माने का है प्रावधान

छह माह से एक साल तक की सजा भी हो सकती है

समय जगत, ललितपुर। जिले में कितना बड़ा नेटवर्क चिल्ड वॉटर (कंटेनरों में बिकने वाले पानी) आपूर्ति का है, इसका कोई सटीक आंकड़ा सम्बन्धितों के पास भी नहीं है। लेकिन बिना किसी पंजीकरण के धड़ल्ले से संचालित हो रहे आर.ओ.वाटर के प्लाण्ट लोगों की सेहत पर सीधे तौर पर खिलबाड़ कर रहे हैं। शहर के प्रत्येक वार्ड, मोहल्ले, गलियों और व्यवसायिक भवनों, दुकानों, शादी समारोहों में, पार्टियों के अलावा प्रत्येक सार्वजनिक कार्यक्रमों में ऐसे आर.ओ.वाटर का उपयोग भी किया जाता है, लेकिन इसके पीछे आज तक किसी जिम्मेवार ने यह जानने का प्रयास तक नहीं किया कि संचालित हो रहे ऐसे आर.ओ. वाटर प्लाण्ट जो सीधे तौर पर लोगों के बीच भेजे जा रहे हैं वह पंजीकृत संस्थान है या नहीं, यहां स्वच्छता का पैमाना क्या है ? पंजीकृत न होने के चलते यह सरकार को राजस्व की टैक्स के रूप में भी भारी क्षति पहुंचा रहे हैं।

दरअसल, गली-कूचों में भारी भरकम बोर कराकर बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र लिये ही व्यापक पैमाने पर धरती से पानी का दोहन किया जा रहा है। पानी को ठण्डा करने के लिए प्लांट लगाते हुये 15 लीटर क्षमता वाले कंटेनरों में पानी को भरकर बेच दिया जा रहा है। जबकि विगत दिनों मुख्य विकास अधिकारी कमलाकान्त पाण्डेय ने नोटिस जारी करते हुये ऐसे आर.ओ.प्लाण्ट संचालकों को उत्तर प्रदेश भूगर्भ जल प्रबन्धन एवं विनियमन अधिनियम 2019 की धारा 39 के अन्तर्गत बिना पंजीकरण/अनापत्ति प्रमाण पत्र के भूगर्भ जल का दोहन करने पर दोषी पाये जाने पर 2 से 5 लाख रुपये तक का जुर्माना एवं 6 माह से 1 वर्ष तक का कारावास अथवा दोनों होने के प्रावधान होने की बात कही थी। बावजूद इसके ललितपुर में संचालित आर.ओ.प्लाण्ट संचालकों ने न तो झांसी के नदनपुरा स्थित कार्यालय सीनियर जियोफिजिसिस्ट, भूगर्भ जल

विभाग में पंजीकरण कराया है और न ही सम्बन्धित विभाग से भूगर्भ जल दोहन का अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया है। इस मामले में विकास भवन स्थित अमृत जल योजना के कार्यालय जाकर जानकारी ली गयी तो बताया गया कि एक भी आर.ओ.प्लाण्ट पंजीकृत नहीं है। ऐसे में कैसे यह आर.ओ.प्लाण्ट खुलेआम धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं, यह समझ से परे हैं।

सफाई की प्रमाणिकता का नहीं है कोई पैमाना

जिले में संचालित आर.ओ.प्लाण्ट से जो पानी ठण्डा करके सार्वजनिक स्थलों और लोगों तक सीधे तौर पर उपयोग के लिए बेचे जा रहे हैं, उनमें कंटेनरों की नियमित सफाई और स्वच्छता का कोई पैमाना नहीं है। वहीं माना जाता है कि संक्रामक रोग सबसे अधिक पानी से ही फैलते हैं। ऐसे में स्वच्छता न होने के कारण लोगों के जीवन से आर.ओ. प्लाण्ट संचालक सीधे तौर पर खिलबाड़ कर रहे हैं। इस पर जिला प्रशासन ध्यान देकर जांच कराये तो स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नकली बोतलों के पानी और पानी पाउचों का भी बोलवाला

ऐसा नहीं है कि जिले में सिर्फ आर.ओ.प्लाण्ट से ही कंटेनरों में पानी बेचा जा रहा है, बल्कि नामचीन कम्पनियों की तरह जिले में भी कुछ लोगों द्वारा कम्पनी बनाकर बोतलों में पानी बेचने का व्यापार किया जा रहा है। ऐसे बोतलों में पानी बेचने के लिए व्यापारियों ने अपने संस्थान को पंजीकृत कराया है या नहीं, यह जानकारी भी सम्बन्धितों के पास नहीं है। ऐसे में नकली बोतलों के पानी के अलावा पानी के सस्ते पाउचों के व्यापार का भी बोलवाला काफी है।

आर.ओ.प्लाण्ट और बोतलों, पाउचों में धड़ल्ले से बिक रहे पानी को लेकर न तो किसी दुकानदार और न ही ऐसे प्लाण्ट संचालकों द्वारा पक्का बिल नहीं दिया जा रहा है, जिससे यह बात तो स्पष्ट है कि बिना पंजीकरण के संचालित ऐसे संस्था व्यापक पैमाने पर राजस्व की चोरी कर सरकार को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे प्लाण्टों को जल्द से जल्द पंजीकरण और एनओसी के अलावा जीएसटी के दायरे में लाकर शासन को हो रहे नुकसान से बचाया जा सकता है।

दो व तीन पहिया के कण्डम वाहनों से सप्लाई जारी

आर.ओ.प्लाण्ट संचालक कंटेनरों की सप्लाई के लिए तीन व दो पहिया वाहनों का अधिकतर उपयोग कर रहे हैं। जिसमें आमतौर पर देखा जा सकता है कि ऐसे दो पहिया वाहन हों या तीन पहिया वाहन यह सभी कण्डम स्थिति में हैं। तीन पहिया वाहन में आर.ओ.प्लाण्ट द्वारा एक करीब साढ़े सात सौ या फिर एक हजार लीटर की टंकी रखकर बाजारों में पानी बेचा जा रहा है। ऐसी स्थिति में यह भी स्वतरू अंदाजा लगाया जा सकता है कि कैसे दो व तीन पहिया के कण्डम वाहनों से सप्लाई जारी है।

अथ साप्ताहिक राशिफलम् 31 मार्च से 6 अप्रैल 2025 तक

समय जगत झांसी। (1) मेष राशि– सप्ताह की शुरुआत वहुत ही शानदार उमंग उत्साह से भरी होगी,, ,, व्यापार लाभ,, मनोनयन सभी कुछ श्रमसाध्य होगा,, सप्ताह के मध्य में दो दिन एका एक परिस्थितियों में अनुकूलता आएगी,, शत्रु भी मित्र वत कार्य करेंगे,, एकाएक आकस्मिक लाभ होंगे, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा है,,मान सम्मान पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी है,, सप्ताहांत के दो दिनों में पुनः आर्थिक स्थितियों में असंतुलन होगा जिससे मन को असंतोष होगा,, यह सप्ताह आंशिक सफलता दायक रहेगा, सप्ताह का अधिकांश समय शनि का गोचर मानसिक पीडा व भाग्य अवरोध करेगा,हनुमान जी का दर्शन करें।

(2) वृषभ राशि -सप्ताह के शुरुआत से ही काम धंधा में व्यवधान रहेगा,, बेरोजगारों को तनाव प्राप्त होगा,, विद्यार्थियों को असफलता मिलेगी, पारिवारिक असंतोष उभर सकता है ,, सप्ताह का तीसरे चौथे पांचवें दिन विगडे हुए कार्य वनते नजर आएंगे मानसिक उत्साह उमंग बढेगी लाभ बढेगा सभी क्षेत्रों में भरपूर सफलता मिलेगी सप्ताहांत भी सफलता दायक सिद्ध होगा,विगडे कार्य वनते नजर आएंगे, धन लाभ बढेगा, नेत्र पीडा से वचे,अनुकूलता हेतु भगवती जगदम्बा की आराधना करें।

(3) मिथुन राशि - सप्ताह की शुरुआत भाग्य वर्धन से आरम्भ होगी,, भाग्य की ताकत से वहुत समय से विगडे काम बनेंगे,,रुका हुआ काम धंधा गति पकडेगा,, कार्य का भार और मूल्य भी बढेगा,, संतान की सफलता व व्यवहार से मन प्रसन्न होगा,,धन की वचत भी होगी,,भाई बंधुओं द्वारा सहायता से दीर्घ कालिक विवाद सुलझ जाएंगे अनुकूलता रहेगी,, सप्ताह के तीसरे चौथे पांचवें दिन सम्भल कर रहे पुरानी समस्या ,, शारीरिक पीडा या विवाद उखड आपको परेशान कर सकती हैं,, छठवें सातवें दिन पुनः अनुकूलता आएगी,गुरु वार का वृत व गणेश आराधना लगातार करते रहे,,(4)कर्क राशि -----सप्ताह की शुरुआत किसी , नवीन रोजगार धंधे या नौकरी से हो सकती है,अर्थागम के मार्ग खुलेंगे, भाई बहिनों का सहयोग मिलेगा, पांचवें छठे दिन कुछ उलझनें आ सकती है, खर्च का आधिक्य अपव्यय सम्भव है, सातवें दिन सर्वत्र भाग्य वर्धन होगा, नवीन रोजगार मिल सकता है, आय बढ़ेगी, ससुराल पक्ष का सहयोग मिलेगा, मंगल कार्य भी सम्भव है,सरकारी सेवकों की किसी प्रतिष्ठित अधिकार वर्धन तैनाती मिलेगी,,, पर पूरे सप्ताह पुरखों की संपत्ति संबंधित विवाद परेशान कर सकता है,, कोई नवीन योजनाओं पर काम होगा,, शिवजी की आराधना करें।

(5) सिंह राशि - सप्ताह की शुरुआत मानसिक उत्साह उमंग और अनुकूल व धार्मिक कार्यों से मंगल परिस्थितियों के मध्य होगी, तीसरे दिन से व्यवसायिक योजनाओं में लाभ होगा,, पारिवारिक जीवन में सुखद अनुभूति होगी,, सप्ताह के अंत में पांच दिन वेहद सफलता दायक रहेंगे, जिसमें दीर्घकालिक अटके कार्य पूरे होंगे,,, पूरे प्रयास सफलता दायक रहेंगे जिनमें आपको भाई बंधुओं मित्रों का सहयोग,,धन कमाने की नवीन योजनाओं का सूत्रपात होगा,, सप्ताहांत में छटे सातवें दिन यात्रा का संयोग तथा मानसिक तनाव का संयोग वनेगा,,शनि की ढैया लौह पाद से व्यवधानों की श्रृंखला वनाए रखेगी, हनुमान आराधना व सूर्य नारायण को प्रातः काल में अर्घ्य अवश्य चढ़ाएं।

(6) कन्या राशि - सप्ताह की शुरुआत ही असफलता दायक व्यवसायिक गतिविधियां में बाधाएं आ सकती है, दुर्घटना कष्ट प्रद व दाम्पत्य जीवन रोगयुक्त हो सकता है, पुराने मामलों में दुखदाई स्थिति वन सकती है , तीसरे चौथे पांचवें दिन एकाएक परिस्थितियों में परिवर्तन हो सकता हैं, ग्रह गोचर अनुकूलता से कोई पुराना वाद विवाद निस्तारण सकता हैं भाई बंधुओं ससुराल का सहयोग मिलेगा कोई धार्मिक व्यक्ति से भेंट हो सकती है भाग्य वर्धन होगा,काम की गति बढेगी, सप्ताह के अंतिम दिन ऐश्वर्य वृद्धि पद प्रतिष्ठा मान सम्मान बढेगा गणेश जी की आराधना करें

7) तुला राशि– सप्ताह की शुरुआत अप्रत्याशित लाभ के अवसर बढ़ेंगे, पारिवारिक वातावरण सुखद होगा, दैनिक रोजगार बढेगा,, पर तीसरे चौथे पांचवें स्वास्थ्य का ध्यान रखें,, किसी चोट चपेट से,व धोखाधड़ी से ग्रस्त हो सकते हैं, कोई अपना विश्वास घात कर सकता है,सप्ताह के छटे सातवें दिन पुनः कुछ क्षेत्रों में सफलता मिलेगी,,व्यापारिक लाभ होगा,, पुरानी समस्या से मुक्त हो सकते हैं पुरानी प्रतिष्ठा प्राप्त होगी, भाग्य की ताकत से सर्वत्र अनुकूलता आएगी आर्थिक स्थितियों में आशातीत सफलता मिलेगी,, देवी जी को रोज प्रणाम व पूजा करें।

(8,) वृश्चिक राशि - सप्ताह के शुरुआत से अनचाहा ऋण लेना पड सकता है,, मौसम की मार से वीमार हो सकते हैं,वाद विवादों से स्वयं को वचाए,पर सप्ताह के तीसरे चौथे पांचवें दिन अद्भुत सफलताएं प्राप्त होगी,, एकाएक विगडे हुए कार्य वनते नजर आएंगे,,देव कृपा की अनुभूति जैसी होगी,, दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा, व्यापार धंधे में लाभ होगा,, सप्ताह के अंतिम दो दिन दिन पुरानी समस्याएं और पुरानी घटनाओं के कारण दुख प्राप्त हो सकता है कोई आपका स्वयं का व्यक्ति धोखा दे सकता है , सावधान रहें,, हनुमान जी का दर्शन व चालीसा पाठ करें।

(9) धनु राशि - सप्ताह की शुरुआत बच्चों के या पारिवारिक व्यवस्था में व्यस्तता से होगी, शिक्षा के क्षेत्र में कुछ काम होगा,, तीसरे चौथे पांचवें दिन पद ,सम्पत्ति सम्बंधित वाद विवाद हो सकता है,, पुराने शत्रु सक्रिय हो कर योजनाओं को नष्ट कर सकते हैं,माता पिता का स्वास्थ्य व स्वयं का,,सुख चौन प्रभावित होगा,, सप्ताह के छठवें सातवें दिन परिस्थिति में अल्प सुधार होगा, कुछ अच्छा होगा,, पारिवारिक वातावरण सुखद होगा व्यापार या कार्य क्षेत्र में कई लाभ हो सकते हैं,, कोई नई जिम्मेदारी आ सकती है, सप्ताहांत होते पुनः स्थितियां विगड सकती है,,शनि का लौह पाद से वनते काम विगडते नजर गुरु मंत्र का जप पीपल प्रदक्षिणा प्रतिदिन करे।

(10) मकर राशि - सप्ताह की शुरुआत पारिवारिक विवादों में हो सकती है,, पारिवारिक जीवन में आमोद प्रमोद के साधनों व अचल सम्पत्ति को लेकर आपसी खींचतान रहेगी, कुछ विवादों से सुख चौन प्रभावित हो सकते,,अचल सम्पत्ति से सम्वंधित विवाद में पराजय हो सकती है,, संतान का असहयोग,या उसकी असफलता आपको वैचेन करेगी,, सप्ताह के अंतिम दिन अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें,यह सप्ताह निराशा जनक हो सकता है,,पर घबराएं नहीं,, हनुमान जी का दर्शन करें,, हनुमान चालीसा का पाठ करें,,(11) कुंभ राशि -----सप्ताह की शुरुआत श्रम साध्य सफलता , धन सम्पदा पर सम्मान में न्यूनता युक्त रहेगी,, सप्ताह के तीसरे चौथे पांचवें दिन पारिवारिक विवाद विग्रह हो सकता है जो सप्ताहांत न्यायालय में पहुच दीर्घ काल की समस्या वन सकता है अचल संपत्ति प्रभावित हो सकती है माता पिता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है,, छटे सातवें दिन संतान से सम्बंधित कुछ महत्वपूर्ण फैसले हो सकते हैं स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें,,हनुमान जी का दर्शन व चालीसा पाठ जरुर करे **(12) मीन राशि** -सप्ताह की शुरुआत,श्रम साध्य सफलता दायक रहेगी धन सम्पदा का लाभ होगा,, नवीन योजनाओं पर असफल काम होगा,,रुका हुआ लाभ प्राप्त होगा,, पारिवारिक विवाद समापन पर अग्रसर होगा,,भाई बंधुओं का सहयोग मिलेगा पर, संतान के व्यवहार से दुखी रह सकते हैं,माता पिता को पीडा वनी रहेगी,, कूटनीतिक परिस्थितियों से दूर रहें नहीं तो सुलझते हुए विवाद अधर में पड सकते हैं,, सप्ताह का छटवा सातवां दिन,,दुख और तनाव भरा रहेगा,, शनि का राशि परिवर्तन हृदय रक्तचाप उदर विकारों संक्रमण आदि प्रदान कर सकता हैं।

-ज्योतिष कर्ता -
- आचार्य पं कमलाकांत अरजरिया (गुरसराय वाले)
अन्तर्राष्ट्रीय भागवताचार्य, वैदिक अनुष्ठान कर्ता ---हाल निवास - गल्ला मंडी रोड, झांसी
मो.9450041559,8299510965

बोर्ड बैठक में 130 करोड़ के विकास कार्यों की मिली स्वीकृति

– प्रतीक कौशल

समय जगत, उरई। नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक मे पालिकाध्यक्ष गिरजा चौधरी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें कि गौरी शंकर वर्मा मौजूद रहे। ईओ राम अचाल कुरील ने वितीय वर्ष की आय व्यय की जानकारी दी। बैठक मे सभासद राजू मछली और ईओ के बीच नोंक झोंक हुई उन्होंने कहा कि ईओ मनमानी पर उतारू हैं। चार महीने से कोई बैठक नहीं की गई। सभासदों का आरोप था कि ईओ अभद्रता करते हैं। उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। चार महीने से बोर्ड की बैठक नही हुई। इसके अलावा सभासद विपिन ने कर अधीक्षक पर एक दुकान बेचने का आरोप लगाकर ईओ से शिकायत की वही वार्ड 6 की सभासद मंजू ने विधायक गौरी शंकर पर आरोप लगाते हुए उनके वार्ड मे एक भी विकास कार्य न कराये जाने की बात कही तथा अन्य वार्ड मे खासकर 11 न0 वार्ड मे विधायक जी द्वारा विकास कराये जाने की बात कही।पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार नगर पालिका परिषद उरई बोर्ड की बैठक का आयोजन पालिका सभागार में वित्तीय वर्ष 2024-25 में संशोधित बजट अवलोकन एवं अनुमोदनार्थ हेतु प्रस्तुत किया । बैठक में प्रस्तावित आय रु.875660000.00 एवं 01-04-2024 को अवशेष कुल धनराशि रुपये 40,24,86400.00 कुल धनराशि 121,81,46.400 के सापेक्ष प्रस्तावित व्यय 127.52.00000 तथा अनुमानित अवशेष 39,46,400 की स्वीकृति प्रदान की गयी। बैठक का कुछ वार्ड सभासदों ने बहिष्कार किया लेकिन बाद में उपस्थिति दर्ज कराकर प्रस्तावों पर सहमति जताई। अधिशाषी अधिकारी रामअचल कुरील ने बताया कि इसी प्रकार मूल बजट 2025-26 के अनुमोदन एवं अवलोकनार्थ प्रस्तुत किया गया।

स्वस्थ बच्चे ही सुनहरा भविष्य, सेवा से बड़ा दूसरा धर्म नहीं : विधायक

समय जगत,ललितपुर। समदृष्टि विकास एवं अनुसंधान मण्डल सक्षम द्वारा विशाल निशुल्क बाल रोग चिकित्सा शिविर समाजसेवी बाबूलाल जैन साइकिल वालों की स्मृति में जैन अटा मंदिर में लगा गया, जिसमें मरीजों का परीक्षण कर जिला अस्पताल के सहयोग से दवाओं का वितरण किया गया। शुभारम्भ विधायक रामरतन कुशवाहा, एडीएम अंकुर श्रीवास्तव ने संत सूरदासजी एवं अमृतानंदमयी देवी के चित्र सम्मुख दीप प्रज्जवलित किया। इस दौरान प्रान्त सचिव डा.सुरेन्द्र विक्रम गोस्वामी, वरिष्ठ कोषाधिकारी अटलराज भास्कर, महिला आयाम प्रमुख डा.मोनिका गोस्वामी, वरिष्ठ चिकित्सक डा.राजकुमार जैन, डा.अरविन्द दिवाकर, जैन पंचायत ये डा.अक्षय जैन, प्रबंधक मनोज जैन, अजय जैन रहे। विधायक ने स्वस्थ बच्चों को सुनहरा भविष्य बताते हुए कहा कि इनकी देखभाल करना जरूरी है। ऐसे शिविरों को उपयोगी बताते हुए उन्होने कहा शिविरों के माध्यम से ही सच्ची सेवा होती है इससे बड़ा दूसरा धर्म नहीं है। महिला अध्यक्ष अनीता मोदी ने मंगलाचरण किया। संगठन मंत्र कौशल किशोर गोस्वामी आयाम प्रमुख ने किया।

भारत का नववर्ष विक्रम सम्वत् 2082 के प्रारंभ पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

समय जगत, निवाड़ी । मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग मंत्रालय के आदेशानुसार भारत का नववर्ष विक्रम सम्वत् 2082 के प्रारंभ पर आज शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय निवाड़ी के खेल ग्राउंड में विक्रमोत्सव 2025 मनाया गया। इस अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित कर ब्रह्म ध्वज का वंदन किया गया। कलाकारों ने विक्रमादित्य पर केंद्रित नाटक का आकर्षक मंचन भी किया।

विधायक निवाड़ी अनिल जैन के आतिथ्य में जनप्रतिनिधियों एवं कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ द्वारा विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर माँ सरस्वती की मूर्ति को पुष्पमाला अर्पित एवं ब्रह्म ध्वज वंदन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। तत्पश्चात प्रस्तुति रंग उत्सव नाट्य समिति, रीवा द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर ब्रह्म ध्वज का वंदन किया गया। कलाकारों ने विक्रमादित्य पर केंद्रित नाटक का आकर्षक मंचन किया गया। अतिथियों द्वारा रंग उत्सव नाट्य समिति, रीवा के कलाकारों को को पुष्पगुच्छ एवं पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में विधायक निवाड़ी श्री अनिल जैन ने अपने उद्बोधन में भारतीय नववर्ष एवं विक्रम सम्वत् 2082 के आयोजन किए जाने पर शासन की मंशा के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति को मिले, इसके लिए शासन और जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार इस दिशा में काम कर रहे हैं।विक्रम सम्वत् का राष्ट्रीय पंचांग के रूप में स्वीकार वस्तुतः लोकमान्य पंचाग का स्वीकार है। साथ ही देश को विदेशी आक्रांतओं से मुक्त कराने वाले उज्जयिनी के प्रतापी राजा सम्राट विक्रमादित्य की महाविजय और राष्ट्र गौरव की पुनर्स्थापना का कालजयी अभिनंदन है। यह विगत इतिहास का अपेक्षित भूल सुधार है, जो हमें एक नई ऊर्जा और आत्मविश्वास से भर देता है। जो राष्ट्र प्रेम और मातृभूमि के वंदन से अनुप्राणित है। यह बेमिसाल ताकत उस विक्रम सम्वत् की है. जिसे महाकाल की नगरी उज्जयिनी के प्रत्तापी हिंदू राजा सम्म्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांता शकों को हराने की स्मृति को शाश्यत करने के उपलक्ष्य में ईस्वी. पूर्व 57 में चलाया था। विडंबना यह है कि भारत का आधिकारिक राष्ट्रीय पंचांग वो शक सम्वत है, जो शक राजा रूद्रदमन ने 58 ईस्वी में भारतीयों पर विजय के उपलक्ष में चलाया था। कहा जाता है कि शक सम्वत् के पक्ष में विद्वानों का पलड़ा सिर्फ इसलिए झुका, क्योंकि ऐतिहासिक प्रमाण उसके पक्ष में ज्यादा थे। शुद्ध कालगणना अथवा कालक्रम को आधार बनाने की बजाय यदि इतिहास की प्रवृत्तियों और उसके राजनीतिक, भावनात्मक पक्ष को समझें तो विक्रम सम्वत् ही भारत का राष्ट्रीय पंचांग कहलाने का हकदार है। वैसे भी लोक संस्कृति इतिहास को अपने ढंग से संजोती और संरक्षित करती आयी है। इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। आज भी हिंदुओं के सभी तीज त्यौहार, संस्कार व ज्योतिष गणनाएँ ज्यादातर विक्रम सम्वत् के हिसाब से ही होती है न कि शक सम्वत् के हिसाब से। इसका भावार्थ यही है कि आज भी लोक मान्यता विक्रम सम्वत् की ज्यादा है बजाय शक सम्वत् के। ऐसे में भारत सरकार को राष्ट्रीय पंचांग के रूप में विक्रम सम्वत् को स्वीकार करने की दिशा में ठोस अकादमिक प्रयास करने चाहिए ताकि इस सम्वत् के रूप में हिंदू संस्कृति के जयघोष के साथ-साथ सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता के आग्रह की भी पुनर्प्रतिष्ठा हो सकें। इसे और प्रामाणिक आधार देने के लिए नए ऐतिहासिक शोध और विद्वत चर्चा की मदद भी ली जा सकती है।चौत्र हिंदू पंचाग का पहला मास है। इसी महीने से भारतीय नववर्ष आरम्भ होता है। हिंदू वर्ष का पहला मास होने के कारण चौत्र की बहुत ही अधिक महत्ता है। अनेक पर्व इस मास में मनाये जाते हैं। चौत्र मास की पूर्णिमा, चित्रा नक्षत्र में होती है इसी कारण इसका महीने का नाम चौत्र पडा। सतयुग का आरम्भ भी चौत्र माह से माना जाता है। इसी दिन से नया सम्बत्सर शुरू होता है। हैं। चौत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि को नवसम्वतार भी कहते है। इसी दिन चौत्र नवरात्रि का प्रारम्भ होता है।इस अवसर पर श्री नंद किशोर नापित, अन्य जनप्रतिनिधि, सीईओ जिला पंचायत श्री रोहन सक्सेना, एसडीएम श्री अनुराग निंगवाल, डिप्टी कलेक्टर श्री राजेन्द्र मिश्रा, तहसीलदार श्री सुनील डावर, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी श्री राघव पटसारिया, पत्रकारगण, अधिकारी एवं जनसमूह उपस्थित रहा।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में सवार को मारी टक्कर

समय जगत, उरई। देर रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक को गंभीर रूप से घायल हो गया, हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भाग गया, हादसे की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने रात को हंगामा किया और सड़क जाम कर आरोपी के खिलाफकार्रवाई की मांग कीसूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझाया और कार्रवाई का आश्वासन दिया तब कहीं जाकर ग्रामीणों ने जाम खोला, वही घायल को अस्पताल में भर्ती कराया, वही हालत नाजुक होने पर चिकित्सक ने उसे हायर सेंटर रेफर किया, जहां हालत गंभीर बताई जा रही है।घटना कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुरा की है। बताया गया कि कुंवरपुरा का रहने वाला युवक अंकुर पुत्र शशिकांत देर रात को खेत से बाइक से लौट रहा था, जैसे ही वह गांव के पास पहुंचा तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना को अंजाम देने के बाद ट्रक छोड़कर चालक मौके से फरार हो गया। हादसा देख खेत पर काम कर रहे लोग मौके पर पहुंचे और उसके परिजनों को सूचना देकर उसे एक प्राईवेट नर्सिंग होम में भर्ती कराया।

प्रेमी-प्रेमिका ने ज़हर खाकर समाप्त की जीवनलीला

समय जगत, उरई। डकोर थाना क्षेत्र के ऐर गांव में शनिवार की तड़के एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां प्रेमी युगल ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली प्राप्त जानकारी के अनुसार, ऐर गांव निवासी मोहिनी द्विवेदी और राहुल राजपूत के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसके चलते ढेड़ वर्ष पूर्व मोहिनी के परिजनों ने उसका विवाह उरई निवासी युवक से करा दिया था। लेकिन शादी के बाद से ही मोहिनी ससुराल में न रहकर अपने मायके में ही रह रही थी। और अपने प्रेनी से मिलती जुलती थी। स्थानीय लोगों की माने तो बीते एक सप्ताह से दोनों के बीच प्रेम संबंधों को लेकर तनाव बना हुआ था। शनिवार की तड़के मोहिनी अपने प्रेमी राहुल से मिलने उसके घर पहुंची जहां किसी बात को लेकर दोनों ने विषाक्त खा लिया।घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। तत्काल दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मोहिनी को मृत घोषित कर दिया। और राहुल को झांसी रेफर दिया। जहां रास्ते मे राहुल ने भी दम तोड़ दिया। सीओ सदर अर्चना सिंह ने बताया कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की गहन जांच पड़ताल की जा रही है, ताकि आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके।इस दुखद घटना ने पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ा दी है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

जामुन के पेड़ पर फंदा लगाकर युवक ने की आत्महत्या

समय जगत, उरई। सिरसा कलार थाना क्षेत्र में एक घटना सामने आई है। कोड़ा किरराई गांव में 27 वर्षीय किसान विकास चंदेल ने जामुन के पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।विकास ने प्रेम विवाह किया था और खेती कर परिवार का भरण-पोषण करता था। शुक्रवार की रात को खाना खाते समय पत्नी पूजा देवी से किसी बात को लेकर उसका झगड़ा हो गया। इसके बाद वह खेत जाने की बात कहकर नलकूप की तरफचला गया। वहां जामुन के पेड़ पर अंगोछे से फंदा लगाकर उसने अपनी जान दे दी।

शक्ति-पर्व पर कल्याण कलश की स्थापना का अवसर

भविष्य की आहट
डॉ. रवीन्द्र अरजरिया

समय जगत, झांसी। ब्रह्माण्डीय ऊर्जा से पिण्डीय सामर्थ को विकसित करने हेतु ज्योतिष शास्त्र और नक्षत्रीय विज्ञान में नवरात्रि महापर्व पर की जाने वाली साधनाओं का उल्लेख किया गया है। सनातन धर्म में चौत्र माह के नवरात्रिकाल को शक्ति पर्व के रूप में मनाने की परम्परा रही है। इस हेतु काया में स्थापित पिण्ड को ब्रह्माण्ड की अनन्त शक्तियों से जोडने का विधान है जिसमें स्वरू की आन्तरिक क्रियायें तीव्र करना पडती हैं। संगदोष से रहित होकर विचार शून्यता की स्थिति में पहुंचा जाता है, तभी एकाग्रता के केन्द्रीयकरण से चिन्तन की सामर्थ व्दारा परा-शक्तियों के साथ जुडाव होता है। इसी जुडाव को योग भी कहा जाता है। अतीत की अनुभूतियों और भविष्य की कल्पनाओं के चिन्तन में हमेशा लगे रहने वाले मन के शान्त होते ही अन्तरूकरण में एक रिक्तिता का भान होने लगता है। इस खालीपन को भरने के लिए अनन्त की शक्तियों का प्रवाह तरंगों के माध्यम से प्रारम्भ हो जाता है। अध्यात्म के गूढ रहस्यों, परा-विज्ञान के जटिल सूत्रों और शाश्वत के ज्ञान की दिशा में बढने के लिए सद्गुरु की महती आवश्यता होती है। सद्गुरु न केवल अध्यात्म, परा-विज्ञान और शाश्वत की त्रिवेणी में स्नान कर चुका होता है बल्कि दूसरों को स्नान करने के सामर्थ पर भी अधिकार रखता है। ऐसे सामर्थवान लोग बाह्य दिखावे, तुच्छ चमत्कार और बाजीगरी से कोसों दूर रहते हैं। उनकी साधनात्मक सुगन्ध स्वमेव ही वातावरण में फैलती है। उनके चुम्बकीय ऊर्जा चक्र से आगन्तुक अपने आप रोमांचित हो उठता है, वैचारिक झंझावतों का शमन होने लगता है और होने लगाता है एक अनजानी सी शान्ति का बोध। वर्तमान में कथित चमत्कारों से आकर्षित करने वाले बाबाओं की भीड निरंतर बढती जा रही है। सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक, शारीरिक समस्याओं से ग्रस्त लोगों की भीड जादुई करिश्मे की आशा में ढौंगी बाबाओं के दरबारों में माथा टेकने लगते हैं। टोने-टोटकों की दम पर अतीत की घटनाओं को बताने वाले धनलोलुप लोग अपनी कुटिल चालों, सोशल मीडिया और चन्द सिपाहसालारों की दम पर अन्धविश्वास परोसने में लगे हैं। यह अध्यात्म नहीं है, यह धर्म भी नहीं है और न ही होता है इसका कोई स्थाई परिणाम। जैसे दर्द नाशक दवा खाने से रसायन के असर रहने तक मस्तिष्क में पीडा के संदेश रुक जाते हैं परन्तु असर समाप्त होते ही कष्ट का विकराल स्वरूप सामने आने लगता है। ठीक ऐसा ही टोटकेबाजों के तिलिस्म का प्रभाव होता है। यहां पर बाह्य रसायन नहीं दिया जाता बल्कि मानसिक खुराक की आपूर्ति होती है। टोटकेबाजों के पास पहुंचते ही वहां के वातावरण में व्याप्त कही-सुनी घटनाओं की चर्चाओं का बाहुल्य, एक अनोखी सुगन्ध का अहसास, जयकारों की गूंज, दिखावटी क्रियाओं का प्रत्यक्षीकरण, सिंहासन की गरिमा, दरबार में बैठी अनुयायियों की भीड जैसे मानसिक प्रभाव डालने वाले कारक पहले से ही मौजूद रहते हैं। इन सब का प्रभाव आगन्तुक की मनरूस्थिति पर पडने लगता है और वह वहां के सम्मोहित करने वाले तत्वों का शिकार हो जाता है। बस यहीं से शुरू हो जाती है आगन्तुक के शोषण की प्रक्रिया। सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक सामर्थ के अनुरूप टोटकेबाजी का दिग्दर्शन कराया जाता है, सम्मान दिया जाता है और फिर सेवा के नाम पर होने लगती है वसूली। बार-बार आने, विश्वास करने और प्रदान किये गये कर्मकाण्ड की नित्यावृति के निर्देशों के तले याचक दबता चला जाता है। समस्या की विकरालता, अनिष्ट का भय और कृपा से निदान की गारन्टी दी जाती है। ऐसे जाल में फंसने वाले लम्बे समय तक टोटकेबाजों के शोषण का शिकार होते रहते हैं। तिलिस्म टूटने की स्थिति तक पहुंचने-पहुंचते वे बरबाद हो चुके होते हैं। वहीं दूसरी ओर सत्य के मार्ग पर चलने वालों पर सहजता, सरलता और सौम्यता का आवरण पडा रहता है। प्रकृति के साथ सामंजस्य करने वाली अनुशासनात्मक जीवन शैली का अनुशरण करने वाले साधकों को पहचानना बेहद कठिन होता है। सांसारिक वैभव से दूर रहने वाले ऐसे साधकों के लिए परमानन्द से बडा कोई सुख नहीं है। इष्ट के निरंतर चिन्तन से बढकर कोई कार्य नहीं है। बिना दिखावे के परमार्थ करने के कारण अहंकार भी नहीं है। ऐसे लोगों के सानिध्य में आते ही परिवर्तन की बयार चलने लगती है। सुखानुभूति होने लगती है। नश्वर भौतिक जगत की वास्तविकता का बोध होने लगता है। देश-दुनिया में न्यूनतम आवश्यकताओं पर सांसों की कदमताल करने वाली साधनात्मक कायाओं का अकाल नहीं है परन्तु उन्हें पहचानने हेतु अन्तर्दृष्टि की आवश्यकता होती है। समाज के प्रति, जीवों के प्रति और स्वरू के प्रति संवेदनशील लोगों के लिए सद्गुरु के दर्शन, उनकी कृपा और मार्गदर्शन का सुयोग स्वतरू ही बनने लगता है। संकेतों की भाषा में सत्य की परिभाषायें सामने आने लगतीं है। दया के भाव से उदित होने वाले कल्याणकारी कार्य अपने आप संपादित होने लगते हैं। शक्ति-पर्व पर कल्याण कलश की स्थापना का अवसर सामने है। इस काल में अनन्त की ऊर्जा का प्रवाह तीव्रतम होता है जिसे साधनात्मक प्रक्रिया से ग्रहण किया जा सकता है। यही ऊर्जा आने वाले समय में जीवधारियों से लेकर प्रकृति तक के मध्य प्रेम, अपनत्व और सहकारिता की भावना विकसित करती है। धर्म के वास्तविक स्वरूप में जीवन जीने की विशेष पध्दति, समाज विशेष की विभेदकारी व्यवस्था या थोपी गई क्रियात्मक दक्षता का नितांत अभाव होता है। धर्म तो शाश्वत सत्य को विश्वास, श्रध्दा और प्रेम के सिध्दान्तानुसार ही समझा जा सकता है। देश, काल और परिस्थितियों से उपजी भाषा, क्षेत्र, मान्यता आदि की विभाजनकारी संस्कृतियों का इससे कोई संबंध नहीं होता। ईद और शक्ति-पर्व का समुच्चय धनात्मक दिशा में सुगन्ध का वातावरण निर्मित करने हेतु अवतरित हुआ है। इसमें वैमनुष्यता, कटुता और हिंसा का कोई स्थान नहीं है परन्तु फिर भी धर्म के कथित ठेकेदार अपनी भौतिक स्वार्थ-सिध्दि हेतु षडयंत्रों को अमली जामा पहनाने की फिराक में हैं। साधनात्मक काल को विकृत होने से बचाने का दायित्व केवल सरकारों का ही नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का भी है। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

बरियारी खदान में अवैध खनन का खेल जारी, जिम्मेदार मौन

समय जगत, बांदा। बांदा जनपद के नरैनी तहसील अंतर्गत बरियारी खदान का है जहां पिछले सत्र से लेकर अभी तक यह खदान हमेशा विवादो की सुर्खियों में रही है। अपनी पहुंच बहुत ऊपर तक बताते एवं मैनेजमेंट पावर के चलते इस खदान में नहीं होती किसी प्रकार की कार्यवाही चाहे वह पत्रकारों के साथ मारपीट का मामला रहा हो या मजदूर की मौत का मामला रहा हो सभी आज तक प्रशाशन के ठंडे बस्ते में दफन है इस बरियारी खदान संचालक संजीव गुप्ता की खदान में खनन माफिया का इस समय बड़ा आतंक बना हुआ है जो राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ngt की धज्जियां उड़ाकर खदान में अवैध खनन/परिवहन का कार्य चल रहा है। खनन माफिया प्रशासन को चुनौती देते हुए करोड़ों के राजस्व की लूट कर रहे हैं। जलधारा से छेड़छाड़ कर माफिया खनन का नेटवर्क चला रहा है। हालात यह हैं कि माफिया द्वारा भारी भरकम मशीनों से नदी का सीना छलनी किया जा रहा है। खनन माफिया को प्रशासन का खौफ भी नहीं है। खनन माफिया का मनमानी तरीके से अवैध बालू खनन और जिम्मेदारों का चुप्पी साधे रहना कुछ ना कहते हुए बहुत कुछ बयां करता है। एनजीटी के नियमों को ताक में रखकर केन नदी में प्रतिबंधित पोकलैंड मशीनों के जरिए दिन रात वैध की आड़ में अवैध खनन और ओवर लोड का अवैध परिवहन जारी है। लगातार खनन अधिकारी और जनपद के मुखिया की चुप्पी के चलते खनन माफिया की हिमाकत इतनी बढ़ गई है की वह नदी की बीच जलधारा में अपनी हैवीवेट पोकलैंड मशीनें उतरकर मोरम निकाल रहा है अधिकारियों के संज्ञान में अब तक क्यों नहीं है यह विचारणीय यक्ष प्रश्न बना हुआ है, अगर ऐसा ही रहा तो वह दिन दूर नही जब केन नदी के बजाय नाले का रूप लेकर बहाने लगेगी और जिसका खामियाजा क्षेत्र वासियों समेत जनपदवासियों को भुगतना पड़ेगा।

प्रधानमंत्री के मन की बात के प्रति सभी वर्गों का रहा विशेष आकर्षण

समय जगत, बांदा। मन की बात के 120वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ÷आज चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि है. आज से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। इसी दिन से भारतीय नववर्ष भी शुरू हो रहा है। इसी दिन विक्रम संवत 2082 की भी शुरुआत हो रही है।÷ महीने के आखिरी रविवार को प्रसारित होने वाले पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिले के सभी बूथों में पूरे उत्साह के साथ सुना। जीवन के लगभग सभी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के प्रति सभी वर्गों का विशेष आकर्षण रहता है। जलशक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद, भाजपा जिला अध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत, पूर्व जिला अध्यक्ष लवलेश सिंह तथा चेयरमैन सुधीर सिंह ने मटौंध मंडल के बूथ नम्बर 335 में बड़ी संख्या में मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने बताया कि मन की बात के 120वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ÷गर्मियों के दिन लंबे होते हैं और बच्चों के पास इस दौरान करने के लिए बहुत कुछ होता है। यह समय अपने हुनर को निखारने के साथ-साथ कोई नया शौक पालने का भी है। इन छुट्टियों में आपके पास स्वयंसेवी गतिविधियों और सेवा कार्यों से जुड़ने का भी अवसर है। अगर कोई संगठन, स्कूल या सामाजिक संस्था या विज्ञान केंद्र ऐसी गर्मियों की गतिविधियाँ आयोजित कर रहा है, तो उसे अपने साथ साझा करें। पीएम मोदी ने कहा, %पिछले 7-8 वर्षों के दौरान नवनिर्मित टैंकों, तालाबों और अन्य जल पुनर्भरण संरचनाओं के माध्यम से 11 बिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक पानी संरक्षित किया गया है। अब आप सोच रहे होंगे कि 11 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी कितना होता है? गोविंद सागर झील में 9-10 बिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक पानी संरक्षित नहीं किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, %योग दिवस आने में अब 100 दिन से भी कम समय बचा है. अगर आपने अभी तक योग को अपने जीवन में शामिल नहीं किया है तो अभी करें, अभी भी देर नहीं हुई है। पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 10 साल पहले 21 जून 2015 को मनाया गया था। अब यह दिन योग के एक भव्य उत्सव का रूप ले चुका है। योग दिवस 2025 की थीम %एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग% रखी गई है। हम योग के माध्यम से पूरी दुनिया को स्वस्थ बनाना चाहते हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, हमारे गांवों के लोग और खासकर आदिवासी समुदाय महुआ के फूलों के महत्व को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में महुआ के फूलों से कुकीज बनाई जा रही हैं। मध्य प्रदेश के राजाकोह गांव की चार बहनों के प्रयासों से महुआ के फूलों से बनी कुकीज बहुत लोकप्रिय हो रही हैं।

उच्च प्राथमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं ने धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव

रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

कुलपहाड़/महोबा। जैतपुर विकास खंड क्षेत्र के लाड़पुर गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान छात्र छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष जयप्रकाश अनुरागी एवं कुलपहाड़ नगर पंचायत अध्यक्ष वैभव अरजरिया एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी राहुल मिश्रा द्वारा मां सरस्वती एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सबसे पहले सरस्वती वंदना आलिया, नैंसी, प्रांसी, उर्मिला, शिवानी तिवारी द्वारा की गई। उसके बाद स्वागत गीत के माध्यम से जैनब, मेघा, प्रियंका, समीक्षा द्वारा कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष एवं चैयरमेन वैभव अरजरिया व प्रधानाध्यापक सुभाष चन्द्र तिवारी ने कहा कि अच्छी शिक्षा एवं संस्कार ही जीवन को एक नया रुप देते हैं। हमें समाज को शिक्षित एवं संस्कारित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवारों के बढ़ने के साथ-साथ उनकी युवा पीढ़ी को संस्कारित एवं सकारात्मक मार्ग दर्शन की आवश्यकता है। कार्यक्रमों से छात्रों में छिपी हुई प्रतिभा को निखारना आसान होता है इस दौरान बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान प्रधानाध्यापक सुभाष चंद्र तिवारी ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आर्शीवाद दिया। इस मौके पर खंड शिक्षाधिकारी अंकित सिंह, अमित द्विवेदी, नीतेंद्र तिवारी ने मंच का संचालन किया।

इस मौके पर छत्रपाल यादव, कृष्ण चंद्र विश्वकर्मा, कमलेश पाठक, सुधीर, रमेश यादव, शिक्षक सहित ग्राम प्रधान शिवकुमारी राजपूत मौजूद रहे। मंच का संचालन विद्यालय की ही छात्रा संध्या कुशवाहा द्वारा बहुत ही रोचक तरह से किया गया जिस पर आए हुए अतिथियों द्वारा छात्रा का उत्साह वर्धन किया गया।

ईद पर्व को लेकर सदर कोतवाली मे पीस कमेटी की बैठक संपन्न

महोबा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद महोबा में ईद पर्व को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत किये जा रहे आवश्यक प्रबन्ध के दृष्टिगत सदर कोतवाली मे प्रभारी निरीक्षक अर्जुन सिंह द्वारा थानाक्षेत्र के सभी धर्मगुरुओं, सम्भ्रांत एवं समाजसेवी नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है अराजकता फैलाने वालों की सूचना पुलिस को देने को कहा गया है। कहा कि ईद पर्व को लेकर पुलिस अलर्ट है बेवजह खुराफत करने वालों को किसी भी कीमत पर बक्सा नहीं जाएगा। बैठक में मौजूद लोगों से भाईचारे के साथ त्योहार मनाने को कहा है समस्या आने पर तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचना देने की अपील की है।

कबीरा खड़ा बाजार में सबकी मांगे खैर

महोबा। संत कबीर अमृतवाणी सत्संग कार्यक्रम कटकुलवापुरा स्थित कबीर आश्रम मे प्रात: 8 बजे से 10 बजे तक हुआ। सत्संग का शुभारम्भ कबीर वंदना जय कबीर, जय कबीर, जय गुरू कबीरा। दास तोरे द्वार खड़े उनकी हरो पीरा से शुरू हुआ। समिति प्रमुख साई डिग्री कालेज के प्राचार्य डॉ0 एलसी अनुरागी ने श्रीमद भागवत गीता के नौवे अध्याय के श्लोक सं0 29 समोअहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योअस्ति न प्रिय:। ये भजंति तु मॉ भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम। की व्याख्या करते हुए कहा कि भगवान कृष्ण अर्जुन से कहते है कि जो भी व्यक्ति मेरी भक्ति करता है मै उससे मित्रवत व्यवहार रखता हूॅ मै तो सभी को समभाव से देखता हूॅ। यही बात कबीर ने इस प्रकार कही कबिरा खड़ा बाजार मे सबकी मांगे खैर, ना काहू से दोस्ती न काहू से बैर। सत्संग मे पं0 जगदीश रिछारियो ने भजन राधिके तूने बंशी चुराई सुनाया। पं0 हरीशंकर नायक ने भजन मन फूला- फूला फिरे जगत मे कैसा नाता रे सुनाया। कामता प्रसाद चौरसिया ने कबीर का भजन उठ जाग मुसाफिर सोवत है सुनाया। तबला वादक चन्द्रभान डिग्री कालेज कैमाहा के प्राध्यापक प्रेमनारायण अनुरागी ने शानदार भजन मेरे माटी के मटके राम- राम बोल सुनाया। भक्तों की मांग पर देवी भजन मैया गिरजा पजन सिय चली हो मॉ, डॉ0 एलसी अनुरागी द्वारा सुनाया गया। कार्यक्रम मे साध्वी सुनीता एड0 ने रूढ़िवादिता समाप्त करने के लिए कबीर के दोहा की व्याख्या की। कार्यक्रम मे करताल वादक कमलापत, संगीत शिक्षक त्रिलोक, भगवानदास, लखनलाल पुजारी आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

सार संक्षिप्त

जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत

समय जगत, खिरकिया। नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रजीत कौर के निर्देशन में नगर परिषद द्वारा जल सुरक्षा के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए मध्य प्रदेश सरकार की पहल अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च 2025 से 30 जून 2025 तक प्रारंभ किया गया। जिसके अंतर्गत दिन रविवार को छीपाबड़ अटल सरोवर तालाब पर श्रमदान कर किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष विजयंत गौर सुरेंद्र आठनेरे मुख्य नगर पालिका अधिकारी ए आर सांवरे जनप्रतिनिधि सहित नगर पंचायत के कर्मचारी उपस्थित थे।

बेटमा में नववर्ष की अगवानी पर हुआ भारत माता पूजन

सुनील मेघाया-समय जगत, बेटमा। नगर में उल्लास, उमंग एवं उत्साह के साथ भारतीय हिन्दू नववर्ष गुड़ी पड़वा के अवसर पर रविवार को स्थानीय अम्बेडकर चौराहे पर भारत माता पूजन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। संयोजक भूपेंद्र पंचोली ने बताया कि विगत 24 वर्षों से नववर्ष की अगवानी पर भारत माता पूजन के साथ कन्या पाद पूजन व सामाजिक समरसता यज्ञ भी आयोजित किया जाता हैं जिसमें सभी समाजजन जाती वर्ग भेद को समाप्त कर समरस हिन्दू समाज के लिए आहुतियां डाली। गुड़ी पड़वा पर गुड़ धनिये के वितरण के साथ राष्ट्र, धर्म व संस्कृति के रक्षार्थ एक दूसरे को रक्षा सूत्र भी बांधे गए। इसके साथ ही सुबह 7 बजे मंडी प्रांगण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक संघ के प्रथम सरसंघचालक परम् पूज्य केशव बलिराम हेडगेवार को प्रणाम करने के लिए एकत्रित हुए। गुड़ी पड़वा पर सूर्य को अर्ध देने, घरों में भगवा पताका लगाने, रंगोली बनाने, समाज बंधुओं को नववर्ष की बधाई शुभकामनाएं देने का आव्हान किया। इसके साथ ही नगर के प्रमुख देवी मंदिरों में घटस्थापना भी हुई।

अज्ञात कारणों से दो मासूम भाई-बहन की मौत

बिवांर(हमीरपुर)। कस्बा बिवांर में राठ-हमीरपुर रोड किनारे किसान विकास पौधशाला के पास बस्ती में रहने वाले राकेश प्रजापति के पुत्र शिवम (8) और पुत्री शालिनी (5)की मौत हो गई।बच्चों का पिता सूरत में मजदूरी करता है जो वहीं है।मृतक बच्चों के बाबा(दादा) बाबू ने बताया कि बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे,दोपहर लगभग बारह बजे अचानक उल्टियां करते घर में आए,जिन्हें पहले कस्बा के ही एक निजी अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टर ने उन्हें तत्काल बड़े अस्पताल में ले जाने को कहा।उसके बाद उसने (दादा ने)एम्बुलेंस को फोन किया जो उन्हें छानी सीएचसी के गया लेकिन वहां से जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया,जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।परिजनों ने बताया कि सम्भवत: बच्चों ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया होगा जिससे यह घटना हुई है,क्या खाया स्पष्ट नहीं बता सके।थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि जिला अस्पताल से घटना का मेमो आया है,दोनो शवों को मोर्चरी में रखवाया गया है,पोस्टमार्टम के लिए पंचनामा की कार्यवाही की जा रही है।

कुछ लोगों द्वारा लगाए गए आरोप निराधार और असत्य, पार्षद ने की जांच और कार्रवाई की मांग

समय जगत, गंजबासौदा। अहिरवार समाज के कुछ लोगों द्वारा एसडीएम विजय राय को झूठा आवेदन देकर पार्षद मनोज अहिरवार के खिलाफ कहा गया है कि उनके द्वारा नगर में संविधान के निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा लगाए जाने पर आपत्ति दर्ज कराई गई है। यही नहीं उन लोगों द्वारा अध्यक्ष प्रतिनिधियों पर भी उक्त आशय के आरोप लगाए गए हैं जो की पूर्ण निराधार और झूठे हैं। इस मामले में पार्षद मनोज अहिरवार ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने की आवाज उठाई है। पार्षद मनोज अहिरवार द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि अहिरवार समाज के कुछ लोगों द्वारा किए गए इस प्रकार के कृत्य से उनकी छवि और प्रतिष्ठा धूमिल हुई है। ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि इस तथ्य की भी जांच की जाना चाहिए कि किन लोगों द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा को लगाए जाने का विरोध किया गया और अपनी आपत्ति दर्ज कराई गई। ऐसा न होने की स्थिति में झूठा आरोप लगाए जाने वाले लोगों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट कराया जाना चाहिए। ताकि आगे कोई इस तरह का काम ना कर सके। पार्षद मनोज अहिरवार ने ज्ञापन में यह भी कहा है कि ऐसे लोगों के खिलाफ जांच और कार्रवाई दंडात्मक किया जाना उचित होगा। अगर जल्द इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो वे भी इस संबंध में न्यायालय के समक्ष मानहानि का दावा पेश करेंगे।

चांचौड़ा तालाब में श्रमदान कर हुआ अभियान का शुभारंभ

समय जगत, बीनागंज। मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान दिनांक 30 मार्च 2025 से 30 जून 2025 तक जिले में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार संचालित किया जावेगा जिसका मुख्य उद्देश्य जन भागीदारी से जल संरक्षण और संवर्धन करना है जिसमें नवीन जल संरचनाओं का निर्माण, भूजल संवर्धन पूर्व से मौजूद जल संरचनाओं की साफ -सफाई व जीणोद्धार ,मरम्मत ,जल स्त्रोतों से प्रदूषण कम करने ,पेयजल स्त्रोतों की साफ-सफाई तथा मानसून में किये जाने वाले पौधारोपण हेतु आवश्यक तैयारियों के कार्य किए जाएंगे। इसी के तारतम्य में विकासखंड चांचौड़ा अंतर्गत अभियान की शुरुआत एसडीएम चांचौडा रवि मालवीय के मार्गदर्शन में चांचौडा तालाब में साफ सफाई श्रमदान कर की गई। एसडीएम रवि मालवीय के मार्गदर्शन एवं ब्लॉक स्तरीय विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीयों के सहयोग से श्रमदान हेतु साफ सफाई कार्यक्रम श्रीमती प्रकाश बाई -श्रीसुरेश बाबू मीना अध्यक्ष जनपद पंचायत चांचौड़ा की उपस्थिति में शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का समन्वय अमित कुमार सोनी सीईओ जनपद पंचायत चांचौड़ा एवं सीएमओ नगर पंचायत चांचौड़ा द्वारा किया गया। श्रमदान हेतु एसडीएम रवि मालवीय के निर्देशानुसार ब्लॉक स्तरीय विभिन्न विभाग प्रमुख एवं उनके अधीनस्थ स्टाफ उपस्थित रहे जिसमें अमित सोनी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत चांचौड़ा, एसडीओ जल संसाधन नरवरिया ,सहायक यंत्री नरेश कुशवाह, बृजेंद्र कुशवाह, एसडीओ पीएचई सुधीर नीखरा , बीईओ नाथूसिंह भिलाला, बीआरसीसी दामोदर सेन, जनपद पंचायत चांचौड़ा के समस्त स्टाफ अधिकारी कर्मचारी,नगर पंचायत चांचौड़ा स्टाफ कर्मचारी एवं कृषि विभाग ,स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ नगर पंचायत चाचौड़ा के सफाई मित्रों ने उपस्थित होकर तालाब में साफ सफाई कर श्रमदान किया गया। इसी प्रकार जनपद पंचायत चांचौड़ा की समस्त 106 ग्राम पंचायतों में सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक तथा सेक्टर अधिकारी पीसीओ एवं उपयंत्री ने उपस्थिति रहकर ग्राम पंचायतों में निर्मित जल संरचनाओ में जल गंगा संवर्धन कार्य प्रारंभ किए गए।

ग्राम पहाड़ी भिटारी में होने वाले यज्ञ में बैठक के बाद राजा-रानी का हुआ चयन

समय जगत, हमीरपुर। जनपद के विकास खंड मुस्करा के ग्राम पहाडी भिटारी में संकटमोचन धाम स्थल पर श्री निरंजन दास महाराज के द्वारा निर्मित बजरंग बली के मंदिर के अनावरण व यज्ञ कार्यक्रम में अखण्ड शंकरानन्द आश्रम त्रिवेणी संगम के महंत गोपालानंद महाराज की अध्यक्षता में सर्व सहमति से सामाजिक बैठक आहूत की गई।जिसमे समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।इस दौरान नवनिर्मित मंदिर के अनावरण व यज्ञ के लिए राजा रानी का चयन किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए गोपालानंद महाराज ने कहा कि यह देव स्थल वर्षो पुराना है जिसमे गांव के सभी देव स्थान एक जगह एकत्रित है।उन्होंने कहा कि हमारा देश संतो की भूमि है यहाँ पर संतो के आशीर्वाद व तपोबल से तमाम धार्मिक अनुष्ठान के माध्यम से कल्याण होता रहा है।ऐसे ही ग्राम पहाडी भिटारी में 15 दिसंबर 2008 में जगन्नाथ पुरी उड़ीसा से संत निरंजन दास महाराज का आगमन् हुआ था जिनके द्वारा 29जनवरी 2009 को प्रतिमा की नींव रखी गई। महाराज द्वारा समूचे प्रदेश की आलोकित श्री बजरंग बली जी की 45फीट प्रसन्न ध्यान मुद्रा में दक्षिण मुखी पद्मासन् स्थिति में भव्य और दिव्य प्रतिमा बनाई गयी थी।ज्ञातब्य रहे कि जिसमे भक्तों व विशेष सहयोगियों के द्वारा 65फीट उंचा मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका था।इस दौरान सर्वसम्मति से प्रतिमा के अनावरण हेतु 11कुंडीय श्री राम महायज्ञ 18पुराणों सहित भव्य आयोजन सम्पन्न कराये जाने की सहमति बनी थी।जिसको लेकर ग्रामवासियों ने हर्षोल्लास व असीम उत्साह के साथ तैयारियां पूर्ण करने में लगे है।यज्ञ मण्डप से लेकर प्रांगण तक साफ सफाई एवं पुराणों व मंच हेतु उचित स्थलों का कार्य तेजी से किया जा रहा है। समितियों के निर्माण व व्यवस्थाओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है।जिसको लेकर नवरात्रि प्रारंभ में प्रथम दिवस सोमवार के रोज राजा रानी का चयन किया गया।

सर्वसहमति से यज्ञ के लिए राजा रानी के रूप में ग्राम पहाडी भिटारी थाना मुस्करा जनपद हमीरपुर निवासी राजा के रूप में जयनारायण उर्फ दीपू राजपूत पुत्र प्रेमचंद्र उर्फ जिलेदार राजपूत, व रानी के रूप में उनकी पत्नी अखलेश राजपूत को सर्व सहमती चयन किया गया।इस दौरान बैठक का संचालन संजय पहाडी द्वारा किया इस दौरान दौरान गांव के सैकड़ो ग्राम वासी उपस्थित रहे।

जैतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दवा माफिया का खेल, मरीजों का हो रहा आर्थिक शोषण

महोबा। जनपद के जैतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों का आर्थिक शोषण थमने का नाम नहीं ले रहा है। अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा बाहर की दवाएं लिखने और डिलीवरी के दौरान खुलेआम रिश्वत लेने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। इस मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगने की बात कही है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता के चलते मरीजों का शोषण लगातार जारी है। लेवा गांव निवासी प्रबल ने बताया कि वह अपनी बच्ची का इलाज कराने जैतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा था। डॉक्टर पवन राजपूत ने उसे निशुल्क इलाज देने के बजाय बाहर की महंगी दवाएं लिख दीं। प्रबल ने निराशा जताते हुए कहा कि सरकारी अस्पताल से मुफ्त इलाज की उम्मीद थी, लेकिन डॉक्टरों की मिलीभगत से मरीजों को बाहर की दवा खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इसी तरह बछेछरगांव निवासी ठाकुरदास ने भी शिकायत की कि इलाज के दौरान उसे अस्पताल में उपलब्ध दवाएं न देकर बाहर मेडिकल स्टोर से महंगी दवा खरीदने को कहा गया। ठाकुरदास का कहना है कि गरीब मरीज मजबूरी में बाहर की दवा खरीदने को विवश हैं, क्योंकि इलाज कराना उनकी जरूरत है। बुंदेलखंड किसान यूनियन के नेता बालाजी ने आरोप लगाया कि जैतपुर अस्पताल में भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में बाहर की दवा लिखने के अलावा गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी के दौरान भी 1500 से 3000 रुपये तक की रिश्वत खुलेआम ली जा रही है। विरोध करने पर मरीजों को इलाज से वंचित कर उन्हें रेफर कर दिया जाता है।

संजय शर्मा मंजरी फाउंडेशन ने जावेद बेग के घर पर रोजा इफ्तार का किया आयोजन

धौलपुर। संजय शर्मा ने खुलवाया रमजान और सबको गले लगा कर दी बधाई। विक्रम बरौली ने बताया कि धौलपुर की यही पहचान है कि शर्मा जी खुलवा रहे हैं रमजान हर साल की तरह इस साल भी सद्भावना को बढ़ाने के लिए हिंदू मुस्लिम एकता को मजबूत करने के लिए संजय शर्मा ने जावेद बेग के घर राधा बिहारी मंदिर रोड पर सभी समाजों के लिए विशेष मुस्लिम समाज के लिए इफ्तार पार्टी रखी और कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में संजय शर्मा और प्रणब मुखर्जी रिटायर्ड आर्मी ने सभी मुस्लिम समाज के लोगों के बीच में रोजा इफ्तार कार्यक्रम में शामिल हुए उसके बाद गुर्जर की कोठी में ही नमाज अदा कराई गई बाद में नमाज के सभी लोगों को खाना खिलाया गया खाने में सद्भावना का ध्यान रखा गया राजस्थान की मशहूर थाली दाल बाटी चूरमा खिलाया गया इस मौके पर संजय शर्मा मंजरी फाउंडेशन ने कहा कि यहां पर हिंदू मुस्लिम एकता देखने को मिलती है और सभी एक दूसरे से प्रेम करते हैं। इस मौके पर साबिर मैजिक बस, विश्वास बक्शी संपर्क फाउंडेशन, निजामुद्दीन पहलवान, अनीस अहमद भाजपा नेता, हाजी अजमेरी भामाशाह एवं अध्यक्ष हज कमिटी, भारत ट्रेलर, सूरज, शानू , अनीस अहमद अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, शाहीन अंजुम पूर्व प्रधानाध्यापक जमालपुर, बेबी आसमा उर्दू अध्यापिका, इरशाद कुरैशी भाजपा नेता, मेहमूद पेंटर , भगवान सिंह मीणा लेक्चर, राजेंद्र शर्मा, अब्बासी पूर्व जिला आप कमेटी अध्यक्ष शहजाद जल मानी जिला महासचिव कांग्रेस निजामुद्दीन निजामुद्दीन पूर्व पार्षद सद्दाम खान पार्षद फारूक उस्मानी पार्षद राशिद खान पार्षद पार्षद प्रतिनिधि मोमिन खान उमर फारूक उस्मानी ब्लॉक अध्यक्ष, मौजूद रहे जावेद बैग करौली ने सभी का शुक्रिया अदा किया विक्रम बरौली ने जावेद बेग को साफा पहनाकर सम्मान किया इस सद्भावना वाले कार्यक्रम को देखकर निजामुद्दीन पहलवान ने ईद मिलन कार्यक्रम सभी समाजों को साथ लेकर करने की बात कही,मोलाना आबिद मामा भांजे मस्जिद इमाम साहब एवं अन्य मुस्लिम समाज के लोग मौजूद रहकर रोजा इफ्तार कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

समस्याओं के समाधान पर जिम्मेदारों द्वारा कब दिया जायेगा ध्यान?

मुख्य बाजार की हालत बेतरतीब, लोगों को होना पड़ता हैं परेशान

छापीहेड़ा। नगर के मुख्य बाजार में आए दिन लोगो को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बाजार में लगने वाली सब्जियों की दुकानें रोड़ पर बेतरतीब तरीके से लगाई जा रही है जिससे आने जाने वाले राहगीरों मोटर बाइक सवारो को भी समस्या आती है वही बाजार में परिषद द्वारा बनाई गई नवनिर्मित दुकानों का रेत गिट्टी रोड़ पर ही फेला हुआ है जिससे बाइक सवार आए दिन फिसलते है जिससे चोटिल हो जाते हैं वही नगर से होकर गुजरने वाले स्टेट हाइवे की साइदो को भी नही भरा गया है। जिससे आए वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। परिषद द्वारा सफाई अभियान में भी खासी रुचि नहीं दिखाई दे रही नगर के बस स्टेंड की नालियों की सफाई हुए काफी समय हो चुका है गन्दगी नालियों में भरी पड़ी है वार्ड नं 14,15, में नालियों की भी समय पर साफ सफाई नहीं होती वार्ड क्रमांक 14 में

नालियों में भरा गंदा पानी और कीचड़ रोड पर फेल जाता हैं राहगीरों को आए दिन समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं घरों से निकलने वाले पानी से गंदगी फैलती हैं साथ ही मच्छर पनपते हैं संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता हैं।

वही नागरिकों का कहना है मोहल्लों व गलियों में नियमित सफाई नहीं होती। गंदगी के चलते संक्रामक बीमारियों की आशंका बढ़ने लगी है। सड़कों पर पड़े कचरे से उठती दुर्गंध से नागरिकों की दुश्वारी बढ़ गई है। बजबजाती नालियां मच्छरों के प्रजनन में सहायक साबित हो रहे हैं। नागरिक इस दु?र्व्यवस्था के लिए नगर प्रशासन को कोस रहे हैं। आपको बता दे की नगरवासियों ने बताया कि नगर पंचायत में सफाई की स्थिति बदतर हो गई है। सफाईकर्मी मोहल्ले गली मोहल्ले में नियमित रूप से नहीं जाते। जिम्मेदार शिकायतों पर ध्यान नहीं देते। प्रशासनिक अधिकारी भी मौन साधे हुए हैं।

नगर के मुख्य मार्गो पर स्टेट लाइट बंद लोगो को अंधेरे में परेशान होना पड़ता है।

नगर के नलखेड़ा रोड बाजार में स्तिथ मेडतवाल धर्मशाला भाटखेडा रोड पचोर रोड खजूरी रोड आदि जगहों पर स्टेट लेंपो की सख्त जरूरत है परंतु परिषद् इस और भी कोई रूचि नहीं दिखा रहा

अवैध पार्किंग का कब्जा : बस स्टैंड परिसर पर नगर सहित अन्य क्षेत्रों से आए वाहनों का भी जमावडा रहता हैं इसके चलते यात्री वाहन सड़क पर खड़े होते हैं इससे जाम लगता है। शहर के मुख्य मार्ग के अलावा अन्य मार्ग नहीं होने से पचोर, जीरापुर मार्ग भी इस जाम से प्रभावित होता है। नगर परिषद् को इस और ध्यान देकर पार्किंग का स्थाई समाधान निकालने की जरूरत है।

मंडला की शशि पटेल को नई दिल्ली में वीरांगना पुरस्कार से किया गया सम्मानित

मंडला । भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा द्वारा ष्उत्कृष्ट महिला सम्मानष् कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न राज्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान महिला मोर्चा द्वारा सेल्फी विथ लाभार्थीए नारी शक्ति वंदन अभियानए कमल सखीए जेम पोर्टल आदि विषयों पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रदेश पदाधिकारियों को वीरांगना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी क्रम मेंए मंडला जिले के लिए गर्व का क्षण रहा जब भाजपा प्रदेश मंत्री सुश्री शशि पटेल को राष्ट्रीय स्तर पर ष्कमल सखीष् विषय पर उल्लेखनीय कार्य के लिए वीरांगना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 29 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। इस उपलब्धि से मंडला जिले में हर्ष का माहौल है और जिले की महिलाओं के लिए यह एक प्रेरणादायी क्षण है।

संक्षिप्त समाचार

शुभम पटेल 89.9 अंक लाकर आए फर्स्ट मित्रों ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

समय जगत, सिलवानी। संस्कार वैली स्कूल में अध्यनरत शुभम पटेल पिता बालकृष्ण पटेल ने कक्षा पांचवी क्लास के एग्जाम में चार सौ में से तीन सो 57 नंबर लाकर कक्षा पांचवी क्लास में 89.9 परसेंटेज बनाकर फर्स्ट डिवीजन पास होकर संस्कार वैली स्कूल के और नगर का नाम रोशन किया शुभम के पिता बालकृष्ण पटेल ने बताया कि शिक्षा अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यह व्यक्ति और समाज दोनों के विकास के लिए एक आधारशिला है, जिससे ज्ञान, कौशल और समझ विकसित होती है,और बेहतर जीवन और समाज का निर्माण शिक्षा से ही होता है शुभम पटेल क़ फर्स्ट डिवीजन पास होने पर परिजनों तथा मित्रों ने शुभकामनाएं बधाई दी।

नवरात्रि से राम नवमीं तक वेत्रवती घाट पर गूंजेगी राम नाम संकीर्तन

गंजबासौदा। श्री राम रस धारा परिवार द्वारा गुड़ी पड़वा, नवरात्रि के मौके पर बेतवा के रिपटा घाट स्थित श्री हनुमान मंदिर में संगीत मय श्री राम नाम संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है।जो प्रतिदिन 30 मार्च रविवार से आरंभ होकर 6 अप्रैल रामनवमी तक चलेगा। श्री सीताराम नाम संकीर्तन पीठ के संस्थापक पं.अंकुर माधव महाराज ने बताया कि नगर में निरंतर दो साल से वर्तमान में पांच घण्टे श्रीराम नाम संकीर्तन प्रतिदिन किया जा रहा है।कीर्तन के दौरान श्रीस्वयं प्रकटेश्वर श्रीकीर्तननाथ महादेव के द्वारा एक भाव प्रकट किया गया,कि इस वर्ष साधना एवं उपासना का पर्व चैत्र नवरात्रि में माँ वेत्रवती रिपटा विश्राम घाट पर प्रतिदिन श्रीरामनाम संकीर्तन किया जाए।इसी भाव से प्रेरित होकर नववर्ष एवं नवरात्रि के प्रथम दिवस गुड़ी पड़वा से श्रीराम नवमी तक श्री सीताराम नाम संकीर्तन करने का संकल्प लिया है जो प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 8-30 बजे तक किया जाएगा।श्रीराम रसधारा परिवार ने नगर के सभी भगवत प्रेमियों से श्री राम नाम संकीर्तन में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान : मां ताप्ती का पूजन-अर्चन कर अभियान का हुआ शुभारंभ

समय जगत, बुरहानपुर। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में 30 मार्च से 30 जून 2025 तक ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' संचालित है।इसी श्रृंखला में आज ताप्ती नदी स्थित राजघाट पर माँ ताप्ती का पूजन-अर्चन करते हुए अभियान की शुरूआत की गई।इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती अनिता यादव, जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री हर्ष सिंह, सीईओ जिला पंचायत सुश्री लता शरणागत, अपर कलेक्टर श्री वीरसिंह चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री संदीप श्रीवास्तव, अधिकारीगणों-कर्मचारीगणों, गणमान्य नागरिकगणों, छात्र-छात्राओं ने आगे आकर श्रमदान किया।अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्री सिंह ने उपस्थितजनों को जल संरक्षण और संवर्धन की शपथ दिलाई।जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज की भागीदारी और विभिन्न विभागों की समेकित पहल से मुख्यत : नवीन जल संग्रहण, संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से प्रदूषण के स्तर को कम करने, जल वितरण की संरचनाओं की साफ-सफाई तथा मानसून में किये जाने वाले पौधारोपण हेतु आवश्यक तैयारियों के कार्य प्राथमिकता पर करना है।अभियान में समाज की सहभागिता के लिए जन-जागरूकता हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन और कार्य किये जायेंगे।संपूर्ण अभियान इस तरह से नियोजित किया जाना है कि, यह अभियान समाज और सरकार की साझेदारी से जल संरक्षण व संवर्धन का जन आंदोलन बन सकें।

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में जलसंचय से लेकर सभी विषयों पर मिली महत्वपूर्ण जानकारी: बाबूलाल चौहान

समय जगत, नर्मदापुरम। मध्यप्रदेष भारतीय जनता पार्टी मछुआरा प्रकोष्ठ प्रदेष संयोजक बाबूलाल चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 120 वे मन की बात कार्यक्रम को लेकर कहा कि देष के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई महत्वपूर्ण जानकारीयों जो भारत में हो रही है और देष में ऐसी कई प्रतिभायें है जो इन दिनों महत्वपूर्ण कार्य कर रही है उनकी जानकारी दी है इसके अंतरगत आज मन की बात कार्यक्रम देष में जलसंचय को लेकर इन दिनों कई संगठनों द्वारा जलसंचय किये जा रहे है जबकि इन दिनों गर्मी ऋतु चल रही है पानी का संचय किये जाने को लेकर जलसंर्वद्धन की बात कही और यह भी कहा आनेवाले समय में हम सभी को बरसात का मौसम आ रहा है ऐसे समय में बरसात की ऋतु की बूदों का संचय भी हम सभी को करने की आवष्यकता है उन्होने कर्नाटक के एक ग्रामवासियों की एक अच्छे कार्य की जानकारी दी जिसमें ग्रामवासियों द्वारा सूखे

की स्थिति आने पर पूरे ग्राम में सफाई की और एक देखते देखते एक झील बनाकर पानी का संचय कर दिया है अब ग्रामवासी बरसात के मौसम का इंतजार कर रहे है उन्होने देषवासियों को कहा कि आप सभी इस गर्मी के मौसम में अपने अपने धर के सामने तीन चार मटके पानी भरकर रखे और अपने धर में किसी भी कोने में पानी का एक छोटा सा पक्षीयों के पानी पीने के लिये एक मिट्टी का पात्र लटकाकर रख दे यह कार्य काफी महत्वपूर्ण आप सभी को करना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में पैरास्पोर्टस में हमारे खिलाड़ियों के बेहतर प्रर्दषन और कीर्तिमान बनाये जाने पर खिलाड़ियों को बधाई दी है उन्होने यह भी कहा आप भी अपने अपने क्षेत्रो में स्वदेषी खेलाो को किये जाने का कार्यक्रम करते रहे उन्होने यह भी कहा जब तक हम जड़ से जुड़े रहेंगे तब तक हमें कोई भी तूफान उखाड़ नही सकता है। उन्होने टेक्सटाईल्स रिकवरी पर भी अपनी बात कही जहॉ कई सस्थायें पुराने कपड़ो को खरीदकर नये बनाकर आमजन को दे रही है जब यह कार्यक्रम चल रहा था तब देष में नर्मदापुरम के आमजन का उल्लेख इस कार्यक्रम में देखा गया। योग को लेकर प्रधानमत्री ने कहा कि आज हम सभी को योग किये जाने की आवष्यकता है स्वथ्य रहने को लेकर हम सभी को योग करना चाहिये अब आनेवाले समय में योग दिवस आ रहा है पूरे विष्व में इसकी प्रस्तुतिकरण एवं इसके महत्व को बताये जाने की आवष्यकता है।

नगर परिषद बोड़ा ने बस स्टैंड पर राहगीरों के लिए निःशुल्क प्याऊ का किया शुभारंभ

समय जगत, बोड़ा। नगर परिषद बोड़ा द्वारा बस स्टैंड पर राहगीरों और यात्रियों की सुविधा के लिए निःशुल्क प्याऊ का शुभारंभ किया गया। शनिवार दोपहर 3 बजे नगर के जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर प्याऊ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि करण जायसवाल, उपाध्यक्ष सतीश पाटीदार, भाजपा मंडल अध्यक्ष सरजन सिंह राजपूत, पूर्व मंडल अध्यक्ष राधेश्याम राजपूत, भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी जीतू शर्मा, चंद्र रुहेला, सरपंच जगदीश राजपूत (चूमली), नगर परिषद सीएमओ भगवान सिंह भिलाला, लेखापाल ओमप्रकाश शर्मा, स्वच्छता पर्यवेक्षक प्रताप राजपूत, तरुण सेन, श्याम यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नगर परिषद के इस जनहितैषी कदम से गर्मी के मौसम में यात्रियों और राहगीरों को स्वच्छ एवं ठंडा पानी उपलब्ध होगा। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना की और नगर परिषद का आभार व्यक्त किया।

हम राम के वंशज हैं तो राम ही कहेंगे: विधायक विजयपाल सिंह

सोहागपुर। सोहागपुर ब्लॉक के ग्राम सिटियागोहना में सरपंच सुरेश कुशवाहा के आवास पर होली मिलन समारोह हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया गया. इस अवसर पर सोहागपुर के विधायक विजयपाल सिंह ने भगवान लव कुश का पूजन किया तथा सीमेंट सड़क का लोकार्पण किया।उनके साथ सुरेश पटेल जनपद सदस्य,आकाश रघुवंशी न प उपाध्यक्ष,कृष्णा पालीवाल,मंडल अध्यक्ष अस्वनी सरोज, जनपद सीईओ संजय अग्रवाल एवं कुशवाहा समाज जिला अध्यक्ष मालक कुशवाहा, मोहनलाल हिनखेरिया नरसिंहपुर जिला अध्यक्ष, ओबीसी संगठन जिला प्रमुख मदन पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष बाबूलाल मौर्य, मोहन सिंह कुशवाहा पूर्व सरपंच बांसखापा, कैलाश कुशवाहा, जिला पदाधिकारियो ने भगवान लवकुश की पूजन कर कार्यक्रम का आरंभ किया। सरपंच सुरेश कुशवाहा और उनके समस्त ग्रामवासियों,मित्रमंडली ने

विधायक विजयपाल सिंह एवं अतिथियों का पुष्पहारो से स्वागत किया गया। उसके बाद विधायक ने सभी उपस्थित ग्रामवासियों पर पुष्पवर्षा कर होली मिलन समारोह मनाया। जिससे पूरा माहौल उत्सवी और रंगीन हो उठा। उसके पश्चात अपने उद्बोधन में विधायक विजयपाल सिंह ने कहा कि पहले कुछ समय अंग्रेजों ने लूटा कुछ समय मुगलों ने लूटा और मुझे कहने में कोई शर्म नहीं है कि कुछ समय कांग्रेस ने भी सनातन को लूटने का काम किया राम को काल्पनिक कहते हैं भैया राम नहीं होते तो लवकुश कहां से आ जाते सही बात है जिनको काल्पनिक कहा जाता है राम सेतु नाम की चीज नहीं है कृष्ण का कोई जन्म ही नहीं है कांग्रेसियों कैसी बुद्धि है होली मिलन के पहले मैं इसलिए बोल रहा था कि ऐसे ही मत के लोग इस दल में रहते हैं क्या, जो हमारी सनातन संस्कृति को नहीं पहचानते जो सनातन संस्कृति को नहीं जानते तब राम है तो देश है हमारे राम का देश है यह कोई मुगलों का हो या किसी अंग्रेज का देश नहीं है इस बात को हमारे मन में हमेशा रहना चाहिए किसी दल में रहे किसी पार्टी में रहे लेकिन राम तो हमारे आस्था के केंद्र हैं लवकुश भगवान हमारे आस्था के केंद्र हैं कृष्ण भगवान हमारे आस्था के केंद्र हैं मां भगवती हमारी आस्था के केंद्र जिनकी हम आराधना प्रारंभ होने जा रही हैं राजनीति करो अपने विकास के ऊपर राजनीति करो अपने काम के ऊपर राजनीति में आपने जो किया है उसके ऊपर चलने की बात करो आप लड़ाने की बात नहीं करो जातिवाद में लड़ाने का काम किया भेदभाव को मिटाने का काम आपने करने का काम किया धीरे-धीरे देश में सभी प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास को लेकर हम आगे बढ़ रहे है उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति हमें त्योहारों के माध्यम से एकजुट रहने और समाज में सौहार्द बनाये रखने की सीख देती है।

विदिशा रोड पर संदिग्ध मौत: जब तक न्याय नहीं मिलेगा तब तक सीएम हाउस में धरने की दी चेतावनी

समय जगत, बैरसिया। 1 मार्च 2025 को विदिशा रोड पर एक ऑटो में संतोष यादव का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने इसे आत्महत्या बताया, लेकिन परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। संतोष यादव के पिता का बड़ा ऐलान जब तक संतुष्टिजनक न्याय नहीं मिलेगा, मुख्यमंत्री निवास पर ही बैठेंगे। परिजनों ने इस मामले की निष्पक्ष जांच की माँग को लेकर बैरसिया से भोपाल तक 40 किलोमीटर का पैदल मार्च शुरू किया है। उनका कहना है कि वे सीएम मोहन यादव से मिलकर न्याय की गुहार लगाएंगे और जब तक सही कार्रवाई नहीं होती, तब तक मुख्यमंत्री निवास पर धरने पर बैठेंगे। अब देखना होगा कि सरकार और प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाते हैं और क्या संतोष यादव को न्याय मिल पाएगा।

हरे-भरे पेड़ काटे जाने के औचित्य पर उठ रहे हैं सवाल

क्या ऐसे बनेगा विधायक घनश्याम चंद्रवंशी का हरा भरा कालापीपल

समय जगत, कालापीपल। जहां एक और सरकार प्रकृति को बचाने के लिए पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रचार कर रही है,प्रधानमंत्री एक करोड़ मां के नाम लगवाने के लिए जनता से आग्रह कर रहे हैं,इस अभियान को विधायक घनश्याम चंद्रवंशी द्वारा सार्थक करने के लिए नगर में हरा-भरा कालापीपल के नाम से अभियान चला चलाया गया और जन सहयोग से पूरे कालापीपल विधानसभा क्षेत्र में हजारों पौधे लगाए गए,लेकिन नगर परिषद की लापरवाही के कारण नगर में हरा भरा कालापीपल अभियान के तहत लगाए गए पौधों को दुकान दुकानदार अपनी दुकान के सामने से उखाड़ कर तोड़कर फेंक रहे है,जब इसकी शिकायत नगर परिषद अध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल से की गई तो उन्होंने नोटिस देने की बात कह कर अपने दायित्व से पल्ला झाड़ लिया, देखना है कि अधिकारी दुकानदार के ऊपर क्या कार्यवाही करते है लेकिन नगर परिषद में बैठे अधिकारी व अध्यक्ष ने नगर का सर डचड़ा बिगाड़ दिया है, कहीं अपने पैसे के पावर के दम पर तो दुकानदार ने ऐसा कृत्य न किया हो कि卐फिर जनसहयोग कर देंगे,हमारा कोई कुछ नहीं कर सकता卐 卐प्रशासन को चाहिए कि वह उस दुकानदार से 5000 का जुर्माना वसूल कर पांच पौधे उसी के हाथों से लगवाया*

गुड़ी का हुआ पूजन, हिन्दू नववर्ष की दी बधाइयां

समय जगत, बिस्टान। चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि विक्रम सवंत 2082 की सुरुआत एव संघ के संस्थापक केशव हेडगवार जी के जन्मोउत्सव के सुभ अवसर पर बिस्टान तिराहे पर हिन्दू जन जागरण परिषद के मंच तले गुड़ी पड़वा का कार्यक्रम आयोजित किया गया सर्व प्रथम अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया गुड़ी का प्रतीक बनाकर माँ गुड़ी का पूजन अर्चन अनुष्ठान किया गया।

कार्यक्रम के अंत मे गुड़ी की आरती कर प्रसाद का वितरण किया गया। पंडित बसंत दुबे द्वारा यजमानों से पूजन कार्य सम्पन करवाया गया। उपस्थितजनों ने मंच पर अपने अपने विचार रखकर हिंदू नवबर्ष की बधाई देते हुए हिन्दू नववर्ष एव गुड़ी पर्व की जानकारियां दी गई। पुरषोतम सेठ , विष्णु सिंह दांगी, गुलाब चंद भावसार ,प्रहलाद वास्कले,आशाराम बिल्लोरे ,डेम सिंह नार्वे शैलेन्द्र सोनी हीरालाल यादव बंटी राठोर ने गुड़ी की महत्ता बताते हुए कहा प्रकृति अपना स्वरूप ओर रंग बदलती है इस दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी हमारा नववर्ष गुड़ी पड़वा से ही शुरू होता है। इसलिए हर सनातनियो को हर वर्ष गुड़ी पड़वा का त्योहार मनाना चाहिए । इस अवसर पर ,गजेंद्र भावसार, महेश दीक्षित , गबू पटेल , पत्रकार उपस्थित रहे । आयोजन कारोबारी जगदीश पाटिल,माणक पाटिल, सेलु भावसार ,के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरुण जोशी द्वारा किया गया। आभार राजेश मालवीया ने माना।

महिलाओं ने जमकर खेली पाती , सेहरा बांध निकले बाराती, शिव पार्वती बाने का जगह-जगह हुआ स्वागत

भीकनगांव (संजय गीते)। नगर में प्राचीन गणेश मंदिर गणगौर उत्सव समिति की तैयारियां जोरों पर हैं समिति की मंगला उपाध्याय व महामाया अत्रे ने बताया कि पूरे एक वर्ष बाद नगर में फिर गणगौर की धूम मची हुई है सभी समाज की बहनें अलग-अलग टोलियों में शिव पार्वती के विवाह की संपूर्ण रस्म निभा कर अपने लिए अच्छे वर की कामना के साथ सनातनी रस्मों के साथ पाती खेल रही हैं। गणगौर उत्सव में स्थानीय राम मंदिर मोहल्ला की वंदना जोशी , दिया सोनी , चेतना गीते , चंदा शर्मा , ज्योति भावसार , सुलभा शुक्ला , प्रभा सिसोदिया , सुरक्षा सोनी , भावना जगताप , आभा दुबे , दुर्गा यादव , हेमलता चौहान , विनीता लाड , सरिका वर्मा , कुसुम बैरागी छाया बेरागी , सहित बहनों एवं माताओं ने शिव पार्वती विवाह के स्वरूप दूल्हा दुल्हन बन कर शादी के बहाने का नगर भ्रमण किया गया नगर भ्रमण पर कई स्थानों पर शिव गौरा की बारात में दूल्हे दुल्हन का पुष्पवर्षा कर स्वागत सत्कार किया गया।

जल संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाने का महत्वपूर्ण कदम है वाटरशेड यात्रा अभियान

झाबुआ। प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना 2.0 वाटरशेड विकास घटक अंतर्गत जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु 'वाटरशेड यात्रा अभियान 2025' पुरे देश प्रदेश मे चलाये जा रहा है जिसमे विकासखंड झाबुआ मे चल रहे वाटरशेड प्रोजेक्ट मे दिनांक 21 मार्च को वाटरशेड यात्रा रथ का आगमन ग्राम कालाखूंट में हुआ जिसमे ग्रामीणो द्वारा यात्रा में भाग लिया गया यात्रा कालाखूंट से होते हुए ग्राम पंचायत भीमफलिया में प्रचार प्रसार, पौधा रोपण कार्य किया गया। । दिनांक 22 मार्च को ग्राम बावड़ी बड़ी में यात्रा का समापन हुआ जिसमे जनप्रतिनिधि अध्यक्ष जनपद पंचायत श्रीमति कामोदी बाई,एवं वाटरशेड के गांवो के सरपंचो एवं अन्य जनप्रतिनिधि ,क्व् अशोक पाटीदार , ब्लॉक समन्वयक मुकेश हरवाल , विक्रम पाल,दशरथ बोबड़े अभियंता द्वारा वाटरशेड यात्रा महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाया गया है. ग्रामीणजनों को जनप्रतिनिधि व अधिकारियो द्वारा वाटरशेड कार्यक्रम व जल संरक्षण के महत्त्व को बताया गया है, वाटरशेड विकास कार्यो रु लाख 69.22 लाख के 4 कार्य का लोकार्पण किया गया है 3 विकास कार्यो का भूमिपूजन किया है जिसकी लागत रु 59.40 लाख है. जनप्रतिनिधियों यात्रा रथ को जन प्रतिनिधियों ओर अधिकारियो द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना कीया गया. कार्यक्रम मे पानी की रैली, वृक्षारोपण,जल संरक्षण की शपथ, चित्रकला / निबंध प्रतियोगिता व मार्गदर्शक ओर पथ प्रदर्शक को प्रमाण पत्र वितरण किया गया है। 22 मार्च को ग्राम पंचायत बावड़ी व खेड़ी में नुक्कड़ नाटक व प्रचार वेन द्वारा जल।बचाव के बारें में जनमानस को जागरूक करने के प्रयास किये जा रहे।

बोड़ा में शराब दुकान को लेकर हंगामा, प्रशासन ने पहले किया सील, फिर खोला

समय जगत, बोड़ा। शासकीय अस्पताल रोड स्थित ला. मां शीतला माता लीकर ग्रुप कंपोजिट देशी व अंग्रेजी शराब दुकान को शनिवार शाम नायब तहसीलदार सुनीता सिंह, थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शर्मा और राजस्व अमले की टीम ने जनप्रतिनिधियों और रहवासियों की मांग पर शाम 7 बजे सील कर दिया। हालांकि, नरसिंहगढ़ आबकारी अधिकारी पूजा की मौजूदगी में 8त्न:30 बजे दुकान को फिर से खोल दिया गया।

शांति समिति बैठक में उठा मुद्दा: शनिवार शाम थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें नायब तहसीलदार सुनीता सिंह, थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शर्मा, पूर्व विधायक धूल सिंह यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष सरजन सिंह राजपूत सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में रहवासियों और जनप्रतिनिधियों ने कस्बे के मध्य, मंदिर और अस्पताल के पास स्थित शराब दुकान को हटाने की मांग की।

रहवासियों ने जताई आपत्ति: मोहल्ले के नागरिकों मुकेश यादव, रुक्मिणी बाई, लखन राठौर, बालू राठौर, घनश्याम राठौर, आशा बाई आदि ने अधिकारियों को बताया कि शराब दुकान के कारण क्षेत्र में असामाजिक गतिविधियां बढ़ रही हैं और यह स्थान महिलाओं और छात्रों के लिए असुरक्षित हो गया है।

प्रशासन ने दुकान सील कर फिर खोली: शिकायतों के बाद नायब तहसीलदार सुनीता सिंह और थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शर्मा शाम 7 बजे

मौके पर पहुंचे और दुकान को सील कर दिया। हालांकि, बाद में नरसिंहगढ़ आबकारी अधिकारी पूजा, नायब तहसीलदार सुनीता सिंह, राजस्व अधिकारी हजारी लाल वर्मा और थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने रहवासियों और जनप्रतिनिधियों को समझाइश दी। इसके बाद 8:30 बजे दुकान को दोबारा खोल दिया गया और शराब बिक्री शुरू कर दी गई।

जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी: इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष सरजन सिंह राजपूत, पूर्व मंडल अध्यक्ष राधेश्याम राजपूत, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि करण जायसवाल, उपाध्यक्ष सतीश पाटीदार, पार्षद राजु भिलाला, भूपेंद्र राठौड़, संजय राठौर, माखन जाटव सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अधिकारियों की प्रतिक्रिया: आबकारी अधिकारी, सब इंस्पेक्टर पूजा ने बताया कि कस्बे में शराब दुकान नियमानुसार स्थापित है और इसे बिना कलेक्टर के आदेश के बंद नहीं किया जा सकता। ठेका 31 मार्च 2025 तक वैध है, जिसके बाद यदि लाइसेंसी और रहवासी चाहेंगे तो इसे अनापत्ति रहित क्षेत्र में स्थानांतरित किया जा सकता है।

स्थिति पर भविष्य का निर्णय: अब 1 अप्रैल के बाद रहवासी और लाइसेंसी यदि सहमत होते हैं, तो दुकान को नए स्थान पर शिफ्ट किया जाएगा। तब तक यह दुकान अपनी पूर्व निर्धारित जगह पर चालू रहेगी। बोड़ा में शराब दुकान को लेकर रहवासियों में असंतोष बना हुआ है। प्रशासन ने पहले दुकान को सील कर दिया, लेकिन बाद में नियमों का हवाला देते हुए फिर से खोल दिया। अब देखना होगा कि 1 अप्रैल के बाद प्रशासन और रहवासी मिलकर इस विवाद का स्थायी समाधान निकालते हैं या नहीं।

सार-समाचार

पूर्व मंत्री कमल पटेल ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पिताजी को अर्पित की श्रद्धांजलि

समय जगत, हरदा। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल पटेल ओड़िशा स्थित तालचेर पहुंचकर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पूज्य पिताजी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ देवेंद्र प्रधान जी के देवलोक गमन पर ओडिशा स्थित तालचेर निज निवास पहुंचकर देवगढ़ पुण्यआत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक – संवेदना व्यक्त की,एवं ईश्वर से प्रार्थना की की पुण्यात्मा को अपने परम धाम में स्थान प्रदान करें।

भाजपा कार्यालय में नववर्ष एवं गुड़ी पड़वा उत्सव का किया गया आयोजन

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर गुड़ी पड़वा उत्सव का आयोजन किया गया ।जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए ।गुड़ी पड़वा व चैत्र नवरात्रि हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत 2082 के अवसर पर सभी ने एक दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा ने सभी शहरवासियों को शुभकामनाएं दी एवं कार्यालय पर उपस्थित सभी जनों का गुड़ धनिया एवं श्रीखंड खिलाकर स्वागत सत्कार किया ।कार्यालय के मुख्य द्वार पर आकर्षक गुड़ी स्थापित की गई,जिसका सभी भाजपा जनों ने पूजन अर्चन किया।इस अवसर पर भाजपा कार्यालय पर कैबिनेट मंत्री श्री तुलसी सिलावट, नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व महापौर श्री कृष्ण मुरारी मोघे, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं विधायक श्री रमेश मेंदोला ,श्री गोलू शुक्ला, महामंत्री श्री सुधीर कोल्हे, श्रीमती सविता अखंड श्रीमती पदमा भोजे, श्रीमती ज्योति पंडित,श्रीमती अनीता व्यास, श्री मंजीत बाजवा, श्री मुकेश मंगल, श्री रघु यादव, श्री अतुल बनवड़ीकर, श्री रितेश तिवारी,श्री नितिन द्विवेदी, मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

शुरू हुआ हिन्दू नववर्ष, चैत्र नवरात्र और नववर्ष धर्म के साथ भी संस्कृति की बयार

खरगोन। चैत्र प्रतिपदा याने विक्रम संवत्सर 2082 हिन्दू नववर्ष का सनातनी धर्मावलंबियों ने उमंग. उत्साह से स्वागत किया।इसी दिन से शक्ति की आराधना, उपासना का पर्व चैत्र नवरात्र भी शुरु हो गया।चैत्र नवरात्र के दौरान जिलेभर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का दौर शुरु हो गया है।महाराष्ट्रीयन परिवारों में गुडीपड़वा पर्व की धूम रही।घर.घर में मातारूपी गुडी बांधकर पुजा–अर्चना कर महिलाओं ने परिवार की सुख–शांति की कामना कर पूजन.अर्चन किया गया। नववर्ष पर सरस्वती विद्या मंदिर सहित मप्र शिक्षक संघ के शिक्षक. शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के साथ प्रमुख चौक.चौराहो पर राहगिरों को तिलक कर उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दी।शिक्षक संघ के रमेश पाटीदार ने बताया कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, सभ्यता से जोड़े रखने के लिए उन्हें इनका महत्व बताने के लिए ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए, अन्यथा पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में यह परपराये भूल जाएंगे।

विधायक श्री पाटीदार ने किया जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

खरगोन। जल ही जीवन है, इसके बिना जीवन संभव नहीं है।जल का जीवन में जबरदस्त महत्व है इसके बगैर जीवन में कुछ भी संभव नहीं है। जल स्रोतों के संरक्षण और स्वच्छ बनाए रखने में सरकार के साथ ही आम जन का सहयोग भी बहुत जरूरी है।यह बातें विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने कुंदा तट पर आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ अवसर पर कही।कुंदा नदी के किनारे गणेश मंदिर के पास जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, उपाध्यक्ष भोलू कर्मा, एसडीएम बी एस कलेश, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एम आर निगवाल, नगर पालिका के पार्षद, पत्रकार एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।इस अभियान के शुभारंभ अवसर पर कुंदा नदी की सफाई के लिए श्रमदान भी किया गया।कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान तीन माह तक चलेगा।इस अभियान के अंतर्गत बावड़ियों, नदियों व नालों की सफाई एवं संरक्षण का कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही मनरेगा के अंतर्गत तालाब का गहरीकरण, स्टापडेम, नवीन तालाब निर्माण आदि जल संरक्षण के कार्य किए जाएंगे।उल्लेनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खरगोन जिले में जल संरचनाओं के निर्माण एवं पुनर्जीवन नये जल संशाधनों, तालाबा, बावड़ी, सरोवर का निर्माण कर पुरानी जल संरचनाओं की सफाई नर्मदा नदी के किनारे, धार्मिक स्थलों के पास जल संरचनाओं की साफ–सफाई, मरम्मत और जीर्णोद्धार का कार्य किया जाएगा।जिले में 27 अमृत सरोवर, 1254 तालाब निर्माण तथा 2166 पूर्ववर्ती जल संरचनाओं की परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा।आगामी वर्षा ऋतु के दौरान किसानों के खेत में फलोद्यान एवं सामूदायिक भूमि पर वृक्षारोपण के कार्य किये जाएंगे।

जिले के चिन्हित रोगियों का किया जायेगा उपचार एवं ऑपरेशन

रोगियों को इलाज के लिए लेकर बस रवाना, कलेक्टर ने दिखाई हरी झंडी

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर अर्पित वर्मा सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा रविवार को जिला अस्पताल से श्योपुर से रोगियों के उपचार हेतु बसों को मुरैना शिविर के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष गुड्डी बाई आदिवासी, भाजपा जिला अध्यक्ष शंशाक भूषण, नगरपालिका अध्यक्ष रेणु गर्ग, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य महावीर सिंह सिसौदिया, सुजीत गर्ग, जयदीप तोमर, सीईओ जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर, सीएमएचओ डॉ दिलीप सिकरवार, शिविर सहायक नोडल अधिकारी डॉ जेएस राजपूत, श्री सोहनकृष्ण मुदगल, श्रीमती स्नेहलता गुर्जर आदि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि मुरैना में चल रहे विशाल स्वास्थ्य शिविर अंतर्गत श्योपुर जिले के चिन्हित रोगियों का उपचार एवं ऑपरेशन किया जायेगा। इसके लिए श्योपुर जिले से चिन्हित मरीजो को ले जाने के लिए विभिन्न स्थानों से 15 बसों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसी क्रम में आज श्योपुर जिला चिकित्सालय से बसों को हरी झंडी दिखाकर स्वास्थ्य लाभ की शुभकामनाओं के साथ रोगियों को नोडल अधिकारियों एवं वाहन प्रभारियों के नेतृत्व में मुरैना के लिए रवाना किया गया। इसी क्रम में बडौदा, कराहल, वीरपुर एवं विजयपुर में भी बसो की व्यवस्था करते हुए रोगियों को मुरैना शिविर के लिए भेजा गया है। शिविर प्रभारी एवं सीइओ जिला पंचायत अतेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि श्योपुर जिले से चिन्हित रोगियों को सहायक नोडल अधिकारी श्री सोहनकृष्ण मुदगल की देखरेख में मुरैना भेजा गया है। इसके साथ ही प्रत्येक वाहन के लिए वाहन प्रभारी भी नियुक्त किये गये है। रोगियों को भोजन, पानी की सुविधा के साथ रवाना किया गया है। उन्होने बताया कि मुरैना में यह शिविर एसएफ़ पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है। आज श्योपुर जिले के रोगियों के उपचार एवं ऑपरेशन का दिन निर्धारित होने से आज इन रोगियों को संपूर्ण व्यवस्था के साथ रवाना किया गया है।

पिपरी में नववर्ष पर हुआ मां अम्बिका माता मंदिर निर्माण भूमिपूजन

खरगोन। 62 गांव की कुलदेवी मां अंबिका के पिपरी स्थित 74 वर्ष प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए चल रहे अभियान के द्वितीय चरण में गुड़ी पड़वा पर भूमिपूजन कार्यक्रम रखा गया।, माताजी मंदिर पुनर्निर्माण स्थल के साथ ही मंदिर जीर्णोद्धार के दौरान माताजी का विग्रह प्रतिष्ठित किए जाने वाले स्थल पर भी भूमिपूजन पूजन पाठ एवं विधिविधान से संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रीराम कथावाचक श्रद्धेय मोहन पाटीदार ÷भाईजी÷ एवं 62 गांव से पधारे समाजजनों एवं विभिन्न समितियों के सदस्यों ने पूजन करके एवं गेती मारकर औपचारिक शुरुआत की। इस अवसर पर मंदिर जीर्णोद्धार समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश पाटीदार ने बताया कि 8 वर्ष पहले 108 कुंडिया यज्ञ से प्रारंभ हुआ अभियान, मंदिर निर्माण संकल्प जोत यात्रा के बाद मूर्त रूप लेते हुए। कई वर्षो के इंतजार के बाद आज समाज के संत श्री राम कथा वाचक श्री मोहन भाई जी, मंदिर निर्माण कार्य समितियों एवं 62 गांवों से पधारे समाज जनों ने विधिविधान से पूजन कर गेती मार कर मां अंबिका मंदिर निर्माण हेतु भूमिपूजन सम्पन्न किया। साथ ही मंदिर निर्माण संकल्प जोत यात्रा के दौरान लिखवाई गई समर्पण राशि की प्रथम किस्त संकलन की प्रक्रिया आज से शुरू की गई है। आगामी 15 दिनो तक ठेकेदारों से प्राप्त कोटेशन के आधार पर समितियां के समक्ष्य ठेकेदारों के प्रेजेंटेशन कराए जाएंगे।

बोलेरो पिकअप वाहन चुराने वाला आरोपी पुलिस गिरफ्त में

समय जगत, इंदौर। शहर में अपराधों पर नियंत्रण हेतु पुलिस कमिश्नर इंदौर द्वारा प्रभावी कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-4 श्री ऋषिकेश मीणा द्वारा इंदौर शहर में नकबजनों व चोरों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-4 श्री आनंद यादव व सहायक पुलिस आयुक्त अन्नपूर्णा शिवेंदु जोशी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना द्वारकापुरी राहुल सिंह राजपूत को नकबजनों व चोरों के विरुद्ध कार्यवाही टीम गठित कर कार्यवाही के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। विगत दिनों थाना क्षेत्र में एक बोलेरो पिकअप वाहन अज्ञात बदमाशों द्वारा चोरी किया गया था, जिसके संबंध में पुलिस टीम द्वारा पतारसी की जा रही थी। टीम द्वार घटना स्थल व आसपास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की तलाश करते नवलखा होते हुवे तीन इमली, देव गुराडिया, चापडा पहुँचे जहां उक्त हुलिये के व्यक्ति के संबंध मे पूछताछ करते काँटाफोड का होना बताया। बाद काँटाफोड जिला-देवास पहुंचे जहां पर मुखबीर सुचना मिली की उक्त हुलिये का व्यक्ति इन्द्रा नगर काँटाफोड मे रहता है। बाद मुखबीर द्वारा बताये स्थान पर पहुंचे जहाँ पर उक्त हुलिये का व्यक्ति मिला जिससे उसका नाम पता पुछते नवाब पिंडारे उम्र 40 साल निवासी इन्द्रा नगर कांटाफोड जिला-देवास का होना बताया जिसे सदर अपराध मे चोरी गयी पिकअप के संबंध मे उसे उसका फुटेज दिखा कर पूछताछ करने पर अपना जुर्म स्वीकार किया, और बताया की मैने स्कीम न. 71 डी सेक्टर खाली प्लाट से एक लोडिंग वाहन करीबन दो महिने पूर्व चुराई थी जिसे मैने अपने गाँव ले जाकर अपने घर पर रखी थी बाद मैने चुराई हुई पिकअप अफजल उर्फ बारिक खान उम्र 24 साल निवासी ग्राम ठाणा काँटाफोड जिला-देवास को कॉट कर बेचने के लिए दी थी। जिसे अफजल उर्फ बारिक व मैने मिलकर पिकअप लोडिंग वाहन को छोटे छोटे टुकडो मे काट दिया।

विधायक डॉ.दोगने की मांग पर हरदा-इंदौर रेलवे लाइन परियोजना को शीघ्र स्वीकृत करने हेतु की गई कार्यवाही

समय जगत, हरदा। विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने द्वारा विगत दिनों क्षेत्रवासियों को हो रही परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर हरदा-इंदौर रेलवे लाइन परियोजना को स्वीकृत किए जाने की मांग की गई थी। जिस पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा पत्र क्रमांक 6879/ सीएमएस/एम 328/ सीएमएस/ एमएलए/ 135/ 2024 भोपाल के माध्यम से लोक निर्माण विभाग को अग्रिम कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया था। उक्त आदेश के परिपालन में लोक निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई द्वारा अग्रिम कार्यवाही कर रेलवे बोर्ड नई दिल्ली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र प्रेषित कर हरदा-इंदौर रेलवे लाइन परियोजना को शीघ्र स्वीकृति एवं क्रियान्वय हेतु अनुरोध किया गया है। इसके संदर्भ में पत्र प्रेषित कर विधायक डॉ. दोगने को भी अवगत कराया गया है।अवर मुख्य सचिव द्वारा पत्र में लेख किया गया है कि मुख्यमंत्री कार्यालय मध्यप्रदेश शासन द्वारा हरदा विधायक डॉ.रामकिशोर दोगने के पत्र पर कार्यवाही करते हुए हरदा इंदौर रेलवे लाइन की स्वीकृति एवं निर्माण कार्य कराए जाने हेतु लेख किया गया है। जिससे कि हरदा जिले एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को निम्न लाभ मिलेंगे। जैसे यातायात सुविधा में वृद्धि, हरदा सीधे इंदौर से जुड़ जाएगा। जिससे व्यापार चिकित्सा एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए यात्रा करना सुगम होगा।

नपा द्वारा बनाई गई सड़कों की होनी चाहिए जांच और कार्यवाही: सत्येन्द्र त्रिपाठी

ब्यौहारी। नगरपरिषद द्वारा हाल ही मे कराऐ गऐ सडक निर्माण कार्य मे भ्रष्टाचार के गंम्भीर आरोप लगाते हुऐ मंण्डलम कांग्रेस ब्यौहारी के अध्यक्ष सत्येन्द्र पिन्टू त्रिपाठी ने उच्च स्तरीय समिति से जाच कराने की माग की है। त्रिपाठी ने पत्र लिखकर ब्योहारी एसडीएम सौम्या आनंन्द सहित जिले के कमिश्नर, कलेक्टर तथा नगरीय प्रशासन को भेजा है तथा आरोप लगाया है कि वार्ड क्रमांक 1 मुदरिया मे बनाई गई डामर सडक सहित हायर सेकेन्ड्री स्कूल वाली रोड वार्ड नंबर 09सहित आधा दर्जन से अधिक सडको की जाच कराने की मांग की है मंण्डलम काग्रेश ने अपने पत्र मे कहा है कि जब तक कार्यो की जाच कार्यवाई पूर्ण ना जाऐ ऐजेन्सी या ठेकेदारो का भुगतान ना किया जाए। इसी तरह वार्ड क्रमांक 03मे यम0 पी0 आर0डी0 सी0 द्वारा नाली निर्माण नही कराया जा रहा है जिससे नगर वासियो को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है इसके पहले भरी बर्षात मे वार्ड वासी इस समस्या से जूझते आ रहे है वावजूद इसके भी परिषद द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है जो चिन्ता का विषय भी है। त्रिपाठी ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुऐ कहा है कि ऐ सरकार और मातहत सागिर्द सभी भ्रष्टाचार मे डूबे हुऐ है यही कारण है कि कोई कार्रवाई नही हो रही है। जनता अधिकारी कर्मचारी सरकार के कुशासन और गलत नीतियो से परेशान हो चुके है।

इनका कहना है

आरोपित कार्य सही है। कोई जांच कराना चाहता है तो होना भी चाहिए।
अरुण कुमार श्रीवास्तव, सीयमओ ब्यौहारी

पूर्व शिकायत पर जाच के दौरान गडबडिया सामने आई थी लेकिन कोई कार्रवाई नही हुई बल्कि भुगतान का षडयंत्र चल रहा है।
सत्येन्द्र त्रिपाठी, पिन्टू अध्यक्ष काग्रेश ब्यौहारी मंण्डलम

7 APRIL

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा एवरेस्ट प्रेस ई-49/8 औखला, इंडस्ट्रीयल-एरिया प्लॉट-2 प्रींटिंग प्रेस से मुद्रित एवं बी-125 सादतपुर कालोनी दिल्ली-110094 से प्रकाशित। RNI NO. DELHIN/2005/14553, **प्रधान संपादक:** अशोक त्रिपाठी * **संपादक** अनिल श्रीवास्तव * **समाचार संपादक** सौरभ वार्ष्णेय
दिल्ली कार्यालय : एस-557, हीरा कॉम्पलेक्स 203 द्वितीय तल मुख्य मार्ग शकरपुर दिल्ली- 01142173537, 9899589700, **भोपाल कार्यालय** - 9, रायल हाउस, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-1, भोपाल। **फोन :** 0755-4273868, 4203479 **फैक्स :** 4094417 **ई-मेल** dainiksamayjagat.delhi@gmail.com *(समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)